Page-01_Layout 1 3/17/2025 7:21 AM Page 1

■ वर्ष-17 ■ अंक-56 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य : 1 रुपए

नई दिल्ली, सोमवार, 17 मार्च, 2025

newdibyabharat@gmail.com

दिल्ली विधानसभा में दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम... पृष्ठ-2

# दिव्य भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

केजरीवाल को दिल्ली के बाद अब पंजाब की राजनीति से... पृष्ठ-7

## संक्षिप्त

### एआर रहमान को अस्पताल से छुट्टी मिली

चेन्नई, (हि.स.)। फिल्म जगत के जाने माने संगीतज्ञ, ऑस्कर विजेता और गायक एआर रहमान को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के बाद चेन्नई के अपोलो अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पहले रहमान को डिहाईड्रेशन पीड़ित बताया गया लेकिन उन्हें सीन में दर्द की शिकायत पर अस्पताल ले जाया गया था। संगीतज्ञ व सिंगर रहमान की टीम ने पहले बताया कि रहमान को लगातार यात्रा के कारण डिहाईड्रेशन और गर्दन में अकड़न के कारण अस्पताल लाया गया था लेकिन बाद में उनकी टीम ने इस बात का खंडन कर बताया कि रहमान को सीने में दर्द के कारण भर्ती कराया गया था।

### जम्मू से दिल्ली की यात्रा हुई आसान

नई दिल्ली, (हि.स.)। दक्षिणी दिल्ली से जम्मू जाने वालों के लिए खुशखबरी है। गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट से अब जम्मू के लिए सीधी विमान सेवा उपलब्ध होगी। केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने आज इसकी घोषणा की है।

जम्मू से सांसद एवं केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने बताया कि जम्मू और एनसीआर दिल्ली के दक्षिणी भागों के बीच अपेक्षाकृत कम किराये में यात्रा करने वालों के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान 23 मार्च से हिंडन हवाई अड्डे और जम्मू के बीच दैनिक (शनिवार को छोड़कर) संचालित होगी।

# पाकिस्तान अपनी गलतियों से सीखे और आतंक छोड़ सही रास्ता अपनाए : प्रधानमंत्री

**रमाकान्त पाण्डेय**

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को प्रसारित एक पॉडकास्ट साक्षात्कार में भारत की विदेश नीति और बड़े अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान को अपनी गलतियों से सीखने और सही रास्ता अपनाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अपनी भूमिका निभाने में विफल रही हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प, चीन के साथ रिश्तों और यूक्रेन-रूस संघर्ष पर भी बातचीत की।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज अमेरिकी कंप्यूटर वैज्ञानिक और पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ साक्षात्कार किया। उन्होंने इस दौरान कई विषयों पर पर चर्चा की। पाकिस्तान पर प्रधानमंत्री ने कहा कि पड़ोसी देश के साथ संबंधों को सुधारने के लिए उन्होंने ईमानदारी भरे कई प्रयास किए, लेकिन हर बार हमें धोखा और शत्रुता ही मिली है। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को अपने शपथ ग्रहण समारोह में बुलाया। वे विशेष विमान यात्रा पर पाकिस्तान भी गए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साक्षात्कार में बार-बार दोहराया कि भारत शांति का पक्षधर है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की जनता भी शांति चाहती है। पाकिस्तान न केवल भारत बल्कि दुनिया के लिए चिंता का सबब बना हुआ है। वे अपनी आतंकवाद समर्थन की नीति नहीं बदल रहा है। हालांकि, पाकिस्तान इस बात को नहीं समझ पा रहा कि अपने यहां अराजगक तत्वों को बढ़ावा देने से उसका ही नुकसान है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि पाकिस्तान अपनी गलतियों से सीख कर सही रास्ता अपनाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साहस की प्रशंसा की और कहा कि वह अपने देश अमेरिका को फर्स्ट बनाना चाहते हैं जैसे कि वह स्वयं अपने देश को फर्स्ट बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की सबसे बड़ी खास बात है कि वह अपने निर्णय स्वयं लेते हैं। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति ट्रम्प और उनके बीच की मजूबत दोस्ती का उल्लेख किया।

अपने साक्षात्कार में प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ अपनी भूमिका निभाने में सफल रहा है। कई अंतरराष्ट्रीय संगठन समय के साथ खुद में बदलाव नहीं ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व युद्ध के बाद विश्व व्यवस्था में जिस तरह के बदलाव आए थे, उससे दुनिया ने एकीकृत होने की सीख ली थी। कोविड के दौरान भी ऐसी ही आपदा का हम सबने सामना किया, लेकिन इसके बावजूद दुनिया में हितों की लड़ाई और संघर्ष पनपे, जबकि दुनिया को एक होना चाहिए था। इन संघर्षों को रोकने में यूएन विफल रहा है। देश मनमाने तरीके से काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस और यूक्रेन को बातचीत के टेबल पर आने की सलाह देते हुए कहा कि वैश्विक स्थिति को देखते हुए यह संघर्ष समाप्ति का बेहतरीन अवसर है। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने रूसी राष्ट्रपति और यूक्रेन के राष्ट्रपति दोनों से बातचीत से समाधान निकालने परामर्श दिया। उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से कहा, दुनिया में कितने भी साथी उसके साथ खड़े हों, लेकिन संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं, बल्कि बातचीत के टेबल पर ही निकलेगा। वे मानते हैं कि रूस-यूक्रेन संघर्ष की कीमत न केवल दोनों देश बल्कि वैश्विक दक्षिण भी उठा रहा है। दुनिया में तेल, उर्वरकों और खाद्य पदार्थों की कीमतों में इजाफा हुआ है।

### मैंने आरएसएस जैसे प्रतिष्ठित संगठन से जीवन का सार सीखा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को प्रसारित एक पॉडकास्ट साक्षात्कार में अपने जीवन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मैंने आरएसएस जैसे प्रतिष्ठित संगठन से जीवन का सार सीखा। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी कंप्यूटर वैज्ञानिक और पॉडकास्ट लेक्स फ्रीडमैन के साथ पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान अपने निजी और समाज जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की है। इसी में से एक पहलू राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी रहा।

संघ की अपने जीवन में भूमिका पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि संघ ने उन्हें गढ़ने में मदद की है। पिछले 100 वर्षों में संघ ने देश को कई ऐसे स्वयंसेवक दिए हैं, जिन्होंने पवित्र संगठन से संस्कार प्राप्त कर देश के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है। करोड़ों लोग इससे जुड़े हैं। संघ को समझना सरल नहीं है। संघ देश और जन सेवा में सब कुछ अर्पित करने की प्रेरणा देता है। इसी क्रम में समाज के लिए कुछ करने की प्रेरणा देता है।

प्रधानमंत्री ने इस दौरान संघ से जुड़े संगठनों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में संघ के स्वयंसेवक कार्यरत हैं। संघ का स्वयंसेवक अपनी रुचि और प्रकृति के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में काम करता है। इसमें सेवा भारती, वनवासी कल्याण आश्रम, मजदूर संघ और कई अन्य संगठन हैं।

# कांग्रेस ने बोडोलैंड शांति समझौते का उड़ाया था मजाक : शाह

- **ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन के 57वें वार्षिक अधिवेशन को शाह ने किया संबोधित**

कोकराझाड़ (असम), 16 (हि.स.)। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बोडो शांति समझौते की मजबूती को रेखांकित करते हुए कांग्रेस पर तंज कसा। शाह ने कहा कि जब 27 जनवरी 2020 को बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन (डीटीआर) शांति समझौता हुआ था, तब कांग्रेस ने इसका मजाक उड़ाया था, लेकिन आज यह समझौता क्षेत्र में स्थायी शांति का आधार बन चुका है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को असम के कोकराझाड़ में ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन (आब्सू) के 57वें वार्षिक अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री शाह ने कहा कि समझौते के 82 फीसदी प्रावधान पहले ही केंद्र और असम सरकार लागू कर चुके हैं। अगले दो वर्षों में इसे पूरी तरह लागू कर दिया जाएगा, जिससे बोडोलैंड में स्थायी शांति सुनिश्चित होगी। उन्होंने याद दिलाया कि 1 अप्रैल 2022 को पूरे बीटीआर क्षेत्र से अफस्पा हटा लिया गया था, जिससे स्थिरता बढ़ी है। बोडोलैंड की आर्थिक और सांस्कृतिक प्रगति का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कोकराझाड़ के मशरूम वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट पहल के तहत राष्ट्रीय पहचान बना चुके हैं और दिल्ली के होटलों में परोसे जा रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री शाह ने आब्सू के योगदान की सराहना करते हुए कहा, अगर आब्सू न होता तो बोडो समझौता संभव नहीं होता और न ही बोडोलैंड में शांति स्थापित हो पाती। उन्होंने पारंपरिक बोडो धर्म बाथौ धर्म को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। केन्द्रीय

गृह मंत्री ने बोडोलैंड के युवाओं से 2036 अहमदाबाद ओलंपिक्स में भाग लेने की तैयारी करने का आान किया। उन्होंने कहा कि सरकार खेल प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने बोडो शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज मैं बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म की जन्मस्थली पर खड़ा हूं और उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं। सम्मेलन में केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि दिल्ली में एक प्रमुख सड़क का नाम बोडो आंदोलन के नेता उपेंद्र नाथ ब्रह्म के नाम पर रखी जाएगी। इसके अलावा, अप्रैल के पहले सप्ताह में असम के मुख्यमंत्री की उपस्थिति में उनकी प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी।

# जालंधर में इस्लाम पर टिप्पणी करने वाले यूट्यूबर के घर पर फेंका ग्रेनेड

चंडीगढ़, (हि.स.)। अमृतसर के मंदिर में ग्रेनेड हमले के अगले दिन रविवार सुबह जालंधर में एक यूटूबर के घर पर ग्रेनेड हमला हुआ है। इस संबंध में पंजाब पुलिस ने आधिकारिक रूप से नहीं बयान नहीं दिया है। एक पाकिस्तानी डॉन के गैंग के नाम से एक वीडियो संदेश में इस हमले की जिम्मेदारी ली गई है। इस हमले की वजह मुस्लिम समुदाय पर अपमानजनक टिप्पणी करना बताया गया है।

जालंधर के रायपुर रसूलपुर में मुस्लिम समुदाय के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले एक यूट्यूबर के घर पर रविवार सुबह करीब 4 बजे ग्रेनेड से हमला हुआ। ग्रेनेड की पिन निकली हुई थी। किन्हीं कारणों से उक्त ग्रेनेड फटा नहीं, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ। मामले की सूचना मिलते ही जालंधर देहात पुलिस के एसएसपी गुरमीत सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रेनेड बरामद कर लिया है।हमला करने के लिए दो लोग आए थे। जिस व्यक्ति के घर पर यह ग्रेनेड फेंका गया, वह हिंदू विचारधारा का व्यक्ति है।

इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी गैंग ने एक वीडियो में कहा है कि जालंधर के रायपुर रसूलपुर में मुस्लिम समुदाय के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले एक यूट्यूबर के घर पर ग्रेनेड से हमला करवाया गया है। मुस्लिम समुदाय पर अपमानजनक टिप्पणी करने पर यह हमला किया गया है।

वीडियो में शहजाद भट्टी ने दावा किया है कि भारत के पंजाब में जालंधर में जो ग्रेनेड हमला हुआ है, वो मैंने करवाया है। वो इसलिए फेंका गया, क्योंकि मेरे इस्लाम, मेरे खाना काबा, मेरे नबियों को गालियां देता था। खबर है कि पाकिस्तानी डॉन ने इस हमले को अंजाम देने के लिए पंजाब के मोस्ट वांटेड हैप्पी पसियां के गुर्गों की मदद ली है। बहरहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। एसएसपी गुरमीत सिंह के अनुसार पुलिस हर पहलू को आधार बनाकर जांच कर रही है।

# आतंकी अबू कताल ढेर, हाफिज सईद घायल

नई दिल्ली। पिछले साल जम्मू के रियासी में तीर्थयात्रियों की हत्या की साजिश रचने वाला लश्करे तैयबा आतंकी अबू कताल सिंधी मारा गया। 2008 के मुंबई हमले का साजिशकर्ता और लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक अंतरराष्ट्रीय आतंकी हाफिज सईद के भी घायल होने की खबर है, जिसका इलाज रावलपिंडी के सैन्य अस्पताल में चल रहा है। पाकिस्तान से आ रही अपुष्ट खबरों में इलाज के दौरान हाफिज सईद के मर जाने का भी दावा किया जा रहा है।

उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार हाफिज सईद का करीबी और रिश्ते में भतीजा अबू कताल सिंधी के काफिले पर शनिवार और रविवार की रात लगभग एक बजे पाक अधिकृत कश्मीर में अज्ञात बंदूकधारियों ने हमला कर दिया। हमले में कताल और उसका सहयोगी वहीं मारा गया। जबकि एक घायल को रावलपिंडी के सैन्य अस्पताल में ले जाया गया। पाकिस्तान में कताल और उसके सहयोगी के मारे जाने की पुष्टि हो गई है। लेकिन सैन्य अस्पताल में भर्ती घायल व्यक्ति के बारे में अटकलों का दौर जारी है। इसके हाफिज सईद होने का दावा किया जा रहा है। लेकिन भारतीय एजेंसियां भी इसकी पुष्टि नहीं कर रही है।

माना जा रहा है कि हाफिज सईद के लाहौर के सेंट्रल जेल में बंद होने के दावे की वजह से पाकिस्तान इसे छुपाने की कोशिश कर रही है। फायनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) के ग्रे लिस्ट से बाहर निकलने के लिए पाकिस्तान ने हाफिज सईद और जैश ए मोहम्मद प्रमुख आतंकी को जेल में डालने का दावा किया था। जून 2023 में हाफिज सईद के घर के बाहर बड़े बम धमाके के बाद उसके घर में होने की पोल खुल गई। तब पाकिस्तान

ने उसके घर में ही नजरबंद रखने की दलील दी।

जाहिर है पाक अधिकृत कश्मीर में आधी रात को हाफिज सईद की मौजूदगी से पाकिस्तान की कलई फिर खुल जाएगी। पाकिस्तान की चुप्पी को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं पिछले कई हमलों में हाफिज सईद के बच निकलने को देखते हुए भारतीय एजेंसियां सावधानी बरत रही है। अबू कताल च्सधी तश्करे तैयबा का आपरेशन प्रमुख संभालता था और उसके पास पीओके में आतंकियों के लांच पैड की भी जिम्मेदारी थी। खासतौर पर जम्मू इलाके में आतंकियों की घुसपैठ और ड्रोन व अन्य माध्यमों से हथियारों की सप्लाई भी वही सुनिश्चित करता था।

पिछले साल नौ जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के शपथग्रहण समारोह के दिन ही कताल के निर्देश पर आतंकियों ने कटरा के पास तीर्थ यात्रियों की एक बस को निशाना बनाया था, जिसमें नौ तीर्थ यात्री मारे गए थे और एक दर्जन से अधिक घायल हो गए थे। इसी तरह से एक जनवरी 2023 को रजौरी के एक गांव में आतंकी हमले का मास्टरमाइंड भी कताल था। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार जम्मू इलाके में सुरक्षा बलों पर हुए हमलों के पीछे भी कताल ही था। जाहिर है कताल की मौत जम्मू-कश्मीर में बचे खुचे आतंकवाद को समाप्त करने की दिशा में अहम साबित हो सकता है।

# सुलगता बलूचिस्तान मुश्किल में पाकिस्तान

- **ट्रेन हाईजैक के बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बल को ले जा रही बस में बलूच आर्मी का सुसाइड बॉम्बिंग**
- **फिदायीन हमला...90 सैनिक मारे गए**
- **दिन पहले ट्रेन हाईजैक में मारे गए थे 28 सैनिक, 33 बलूच लड़ाके**

**आलोक पाण्डेय**

इस्लामाबाद। बलूच लिबरेशन आर्मी ने रविवार को पाकिस्तानी सेना पर फिदायीन हमले का दावा किया है। इसमें 90 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। हमला क्वेटा से कफ्तान जा रहे 8 मिलिट्री वाहनों पर नोशकी के हाईवे के पास किया गया। बीएलए के मुताबिक उसकी मजीद और फतेह ब्रिगेड ने सेना के काफिले पर सुसाइड बॉम्बिंग की। जानकारी के मुताबिक एक फिदायीन लड़ाका विस्फोटकों से भरी गाड़ी लेकर सेना के काफिले से टकरा गया।

इसके बाद फतेह स्क्वॉड ने सेना के काफिले में घुसकर हमला किया। जिस वाहन पर सुसाइड अटैक किया गया था, वो पूरी तरह तबाह हो गया। घायलों को नोशकी के अस्पताल में भर्ती किया गया है। इलाके में इमरजेंसी लागू कर दी गई है।

उधर, पाकिस्तान का कहना है कि अशांत बलूचिस्तान के नौशकी में सुरक्षा बलों को लेकर जा रही बस में विस्फोट में पांच सैन्य अधिकारियों की मौत हो गई। जबकि 12 सैन्यकर्मी घायल हो गए। बलूच लिबरेशन आर्मी ने हमले की जिम्मेदारी ली है। वहीं बलूचिस्तान सरकार ने हमले की निंदा की है। बलूच लिबरेशन आर्मी ने रविवार को दावा किया कि उसने पाकिस्तानी सेना पर फिदायीन हमला किया है, जिसमें 90 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। बीएलए उनकी मजीद ब्रिगेड और फतेह ब्रिगेड ने सेना के काफिले पर सुसाइड बॉम्बिंग की। बीएलए ने बताया कि क्वेटा से कफ्तान जा रहे मिलिट्री के 8 वाहनों पर हमला किया गया। नोशकी के हाईवे के पास फिदायीन लड़ाकों ने वाहनों को निशाना बनाया। एक फिदायीन विस्फोटकों से भरी गाड़ी लेकर सेना के काफिले से टकरा गया। इसके बाद बीएलए की फतेह स्क्वॉड के लड़ाकों ने सेना के काफिले में घुसकर सैनिकों की हत्या की। जिस वाहन पर सुसाइड अटैक किया गया था, वो पूरी तरह तबाह हो गया। घायलों को नोशकी के अस्पताल में भर्ती किया गया है। इलाके में इमरजेंसी लगा दी गई है।

5 दिन पहले ही बीएलए ने एक पैसेंजर ट्रेन का अपहरण कर लिया था। बीएलए ने दावा किया था कि उसने सभी 214 बंधकों को मार डाला है। जबकि पाकिस्तानी सेना ने कहा था कि उसके सिर्फ 28 सैनिक मारे गए थे, जबकि सभी 33 बलूच लड़ाकों को ढेर कर दिया गया था।

Page-02_Layout 1 3/17/2025 6:19 AM Page 1



# दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए शुरू होगा व्यापक अभियान : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली सरकार ने राजधानी में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और पर्यावरण सुधार के लिए बड़े स्तर पर अभियान शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में इस दिशा में कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत पूरी रिंग रोड को डस्ट फ्री बनाने और सड़कों के किनारे पौधे लगाने और ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए व्यापक योजना तैयार की गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए सरकार ने ठोस और कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। सरकार ने विभिन्न उपायों की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को तत्काल प्रभाव से प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। वायु प्रदूषण नियंत्रण कार्ययोजना के बारे में अधिक जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार वैज्ञानिक और सतत उपायों के माध्यम से वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सड़क किनारे हरित पट्टी विकसित करने, आधुनिक तकनीकों से धूल नियंत्रण करने और सार्वजनिक परिवहन को सुदृढ़ बनाने के साथ, हम दिल्लीवासियों को एक साफ, स्वस्थ और हरा-भरा भविष्य देने के लिए तत्पर हैं। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए सरकार ने दिल्ली नगर निगम लोक निर्माण विभाग, दिल्ली विकास प्राधिकरण और अन्य सम्बंधित रोड ओनिंग एजेंसियो को रोड के किनारे पौधे लगाने के निर्देश दिए हैं। रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली में धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पूरी रिंग रोड को डस्ट फ्री बनाया जाएगा। इसके लिए रिंग रोड पर रेगुलर मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग की जाएगी और सड़क किनारे धूल के जमाव को रोकने के लिए वॉटर स्प्रिंकलर्स का इस्तेमाल होगा। साथ ही निर्माण स्थलों पर डस्ट कंट्रोल मैनेजमेंट को सख्ती से लागू किया जाएगा और पीयूसी के सघन जांच के निर्देश भी दिए गए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में ट्रैफिक जाम की समस्या को हल करने के लिए 250 प्रमुख सड़कों को चिन्हित किया गया है। सभी सम्बंधित विभागों को निर्देश दिए गए है कि वह दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की मदद से जाम के कारणों का निदान करें। साथ ही प्रमुख जंक्शनों पर ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को बेहतर किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन को अधिक कुशल बनाने के लिए डीटीसी बसों की रूट रेशनलाइजेशन योजना पर भी काम किया जाएगा। इससे सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुविधाजनक बनाया जाएगा और निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी। इस कदम से प्रदूषण में कमी आएगी। सार्वजनिक बसों की रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए कन्ट्रोल रूम बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाना हमारी प्राथमिकता है। सरकार इसके लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सड़क किनारे हरित पट्टी विकसित करने, ट्रैफिक सुधार और सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुचारू बनाने से राजधानी की वायु गुणवत्ता में बड़ा सुधार होगा। दिल्ली सरकार पर्यावरण सुधार और प्रदूषण नियंत्रण के लिए केंद्र सरकार, विभिन्न एजेंसियों और आम जनता के सहयोग से ठोस कदम उठाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

*मुख्यमंत्री ने आगामी बजट को लेकर मंत्रियों और विधायकों के साथ विचार-विमर्श किया।*

## लूटे गए मोबाइल को नेपाल में बेचने वाला आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दिल्ली-एनसीआर से चोरी किए गए और लूटे गए मोबाइल को नेपाल में बेचने वाले एक गिरोह का खुलासा करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान चंपावत, उत्तराखंड निवासी नदीम (45) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के पास से 32 महंगे मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपित नदीम नेपाल में बैठे नरेंद्र भट के लिए काम कर रहा था। हर मोबाइल पर नरेंद्र नदीम को 200 रुपये दे रहा था। नदीम करोल बाग और दूसरे इलाकों से मोबाइल इकट्ठे करता था। बाद में बस में सवार होकर इनको नेपाल ले जाता था। पिछले चार-पांच माह में आरोपित कई चक्कर नेपाल के लगा चुका है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि आरोपित ने हजारों मोबाइल फोन नेपाल में बेच दिए हैं। पुलिस नदीम से पूछताछ कर इसके बाकी सदस्यों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। फिलहाल पुलिस ने नदीम के पास से बरामद छह मोबाइल फोन को लिंक किया है, यह दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से चोरी किए गए हैं। क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह ने रविवार को बताया कि उनकी टीम को सूचना मिली थी कि कुछ लोग चोरी और लूटे गए मोबाइल फोन को नेपाल समेत दूसरे पड़ोसी देशों में बेच रहे हैं। इंस्पेक्टर गुरमीत सिंह व अन्यों की टीम ने जानकारी जुटाना शुरू कर दी। बाद में पुलिस ने आरोपित की पहचान उत्तराखंड निवासी नदीम के रूप में की। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित को दबोचा।

## अगले सप्ताह दिल्ली में संगठन पर्व की होगी शुरूआत: वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने घोषणा की है कि संगठन पर्व के रूप में मनाए जा रहे दिल्ली भाजपा के संगठनात्मक पुनर्गठन की प्रक्रिया अगले सप्ताह शुरू होगी। इस उद्देश्य से राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी ने महेंद्र नागपाल को दिल्ली का चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है, साथ ही दो सहायक चुनाव अधिकारी डॉ. योगेश आत्रेय और विजय सोलंकी को भी नियुक्त किया है। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भाजपा सामूहिक नेतृत्व के माध्यम से काम करने वाली पार्टी है, जो आंतरिक लोकतंत्र को सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठनात्मक ढांचे का हिस्सा बनने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने आगे बताया कि संगठनात्मक पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत बूथ समितियों, मंडल समितियों, जिला समितियों और अंत में राज्य समिति के चुनाव होंगे।

## हत्या की गुत्थी सुलझी, तीन आरोपित पकड़े गए

नई दिल्ली, (हि.स.)। दक्षिण पश्चिम जिले के सागरपुर इलाके में अजय नामक नाबालिग की हत्या मामले में पुलिस ने एक नाबालिग समेत तीन लोगों को दबोचा है। आरोपितों ने अजय के साथी लकी को भी चाकू मारकर घायल कर दिया था। जांच में पता चला है कि दस दिन पूर्व अजय तथा उसके साथियों के साथ आरोपितों का विवाद हुआ था। कहासुनी के दौरान अभद्र भाषा का प्रयोग करने को लेकर आरोपितों ने चाकू से हमला बोल दिया था। पकड़े गए लोगों की पहचान संतोष, शिवम व 16 वर्षीय नाबालिग के रूप में हुई है।

दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने रविवार को बताया कि 11 मार्च को सागरपुर इलाके में अजय और लकी नामक किशोर पर चाकू से हमला किया गया था। इस घटना में अजय की मौत हो गई थी जबकि लकी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जांच में पता चला कि आरोपित और पीड़ित एक ही इलाके के रहने वाले हैं। घटना के बाद संतोष, शिवम व नाबालिग फरार हो गए थे। हत्या का केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर आरोपितों की पहचान की। पुलिस ने तीनों आरोपितों को एक गुप्त सूचना के आधार पर दबोचा। पुलिस ने तीनों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल चाकू तथा खून से सना हुआ मोबाइल फोन बरामद किया है।

## मुख्यमंत्री ने बजट को लेकर मंत्रियों और विधायकों के साथ विचार-विमर्श किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को बांसेरा पार्क में कैबिनेट मंत्रियों और विधायकों संग बैठक कर आगामी बजट पर व्यापक विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि मंत्रियों और विधायकों के सुझावों को आने वाले विकसित दिल्ली बजट में शामिल किया जाएगा। यह आने वाला बजट दिल्ली के समग्र विकास को नया आयाम देगा और प्रगति की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। विकसित दिल्ली बजट को लेकर मुख्यमंत्री ने महिलाओं, शिक्षाविदों, व्यापारियों, झुग्गी-बस्ती वालों संवाद करके उनके सुझाव ले चुके हैं। मुख्यमंत्री ने शनिवार को दिल्ली सचिवालय में संवाद शृंखला के तहत किसानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करके बजट के लिए उनकी अपेक्षाओं और सुझावों पर विस्तार से चर्चा की गई।

## आज का राशिफल

**मेष राशि**-व्यय बाधा, स्वभाव में उद्विघ्नता तथा दुःख कष्ट अवश्य होगा, ध्यान रखे।

**वृष राशि**-किसी आरोप से बचे, कार्यगति मंद रहेगी, क्लेश व अशांति अवश्य होगी।

**मिथुन राशि**-योजनाएं पूर्ण होगी, धन का व्यवसायिक लाभ होगा, आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा।

**कर्क राशि**-इष्ट मित्र सुख वर्धक होंगे, कार्यगति में सुधार होगा तथा चिन्ताएं कम होगी।

**सिंह राशि**-मनोबल उत्साहवर्धक होगा, कार्यगति में सुधान होगा, चिन्ताएं कम होगी।

**कन्या राशि**-सामर्थ्य और धन अस्त व्यस्त हो, सतर्कता से कार्य अवश्य निपटा लेंगे।

**तुला राशि**-मान प्रतिष्ठा सुख के साधन बने, स्त्री वर्ग से सुख और शांति बनेगी।

**वृश्चिक राशि**-अग्नि चोट आदि का भय, व्यर्थ भ्रमण, धन का व्यय होगा, रुके कार्य बने।

**धनु राशि**-तनाव क्लेश व अशांति, मानसिक विभ्रम व विद्वेग तथा भय बना ही रहेगा।

**मकर राशि**-विवाद ग्रस्त होने से बचिए, तनाव क्लेश, मानसिक अशांति अवश्य बनेगी।

**कुंभ राशि**-धन लाभ, आशानुकूल सफलता मिलेगी, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे।

**मीन राशि**-भोग ऐश्वर्य की प्राप्ति, दिन उत्साह से बीते, मनोवृत्ति उत्तम बनेगी, ध्यान रखे।

**-अम्बुजा तिवारी**

# दिल्ली विधानसभा में दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम का 18 मार्च को उद्घाटन करेंगे ओम बिरला

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा 18 मार्च से अपने नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए दो दिवसीय अभिविन्यास (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य विधायकों को संसदीय प्रक्रिया, आचार संहिता और सुशासन की सर्वोत्तम प्रथाओं की जानकारी प्रदान करना है। कार्यक्रम सदन के सभागार में होगा।

उद्घाटन सत्र में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और नेता प्रतिपक्ष आतिशी शामिल होंगी। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान, दीप प्रज्वलन और स्वागत भाषण से होगी। विधानसभा अध्यक्ष स्वागत भाषण देंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष सभा को संबोधित करेंगे और विधायी दक्षता के महत्व को रेखांकित करेंगे।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह अभिविन्यास कार्यक्रम हमारे विधायकों की विधायी क्षमताओं को सुदृढ़ करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे उन्हें संसदीय प्रक्रियाओं, विधायी मसौदा तैयार करने और सार्थक बहसों की महत्ता को समझने में सहायता मिलेगी, जिससे वे विधानसभा में प्रभावी रूप से भाग ले सकें।

संसदीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान फॉर डेमोक्रेसीज (पाइड) के विशेषज्ञ नवनिर्वाचित विधायकों को संसदीय प्रक्रियाओं और नियमों पर प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। यह उल्लेखनीय है कि प्राइड लोकसभा अध्यक्ष के मार्गदर्शन में सांसदों, कर्मचारियों और अन्य संबंधित हितधारकों के लिए प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन करता है।

यह दो दिवसीय कार्यक्रम विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा संचालित व्याख्यानों, पैनल चचाओं और संवादात्मक सत्रों से भरपूर होगा, जिसमें सुशासन, नीति निर्माण और विधायी ढांचे पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इन सत्रों का आयोजन मुख्यमंत्री कार्यालय के निकट स्थित सम्मेलन कक्ष में किया जाएगा, जहां संवैधानिक उत्तरदायित्व, नैतिक शासन और कानून निर्माण प्रक्रियाओं जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा होगी। यह कार्यक्रम 19 मार्च 2025 को विधायी कार्य मंत्री प्रवेश साहिब सिंह के संबोधन और दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के समापन भाषण के साथ संपन्न होगा।

*दिल्ली विधानसभा में दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम का 18 मार्च को उद्घाटन करेंगे ओम बिरला।*

## अस्पताल में उपचार के दौरान युवती की मौत

नई दिल्ली, (हि.स.)। उत्तर पश्चिमी जिले के शालीमार बाग इलाके के फोर्टिस अस्पताल में बुखार होने के बाद भर्ती 20 साल की युवती की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिवार वालों ने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया। परिवार का आरोप है कि 18 लाख रुपये के भुगतान के बावजूद मरीज को पर्याप्त उपचार नहीं मिला। शिकायत मिलने के बाद अस्पताल पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

उत्तर पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए बाबू जगजीवन राम अस्पताल में सुरक्षित रखवा दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली सरकार से पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल बोर्ड गठित करने की सिफारिश की है। पुलिस ने बताया कि रविवार को पुलिस को फोर्टिस अस्पताल में एक युवती की मौत के बाद परिवार वालों का डॉक्टरों द्वारा चिकित्सा लापरवाही के कथित मामले में अस्पताल के कर्मचारियों के साथ विवाद होने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत करवाया। जांच में पता चला कि त्रिनगर निवासी सुनील गुप्ता की 20 साल की बेटी मनस्वी को बुखार होने पर 10 मार्च को फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसका लगातार इलाज जारी रहा, लेकिन 16 मार्च को उसने दम तोड़ दिया। परिवार वालों ने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

## सूडोकु नवताल- 7372

कठिन

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | | | | | | | 1 | 8 |
| | | | 6 | 7 | | | | 2 |
| | | | 8 | | | | | |
| | 8 | 5 | | | | | | |
| | 2 | | | 1 | | | 7 | |
| | | | | | | 3 | 5 | |
| | | | | | 5 | | | |
| 1 | | | | 4 | 7 | | | |
| 9 | 6 | | | | | | | 4 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

**सूडोकु नवताल -7371 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 9 | 7 | 4 | 8 | 6 | 2 | 3 | 5 |
| 4 | 5 | 3 | 9 | 1 | 2 | 7 | 6 | 8 |
| 2 | 6 | 8 | 7 | 3 | 5 | 9 | 1 | 4 |
| 5 | 3 | 1 | 2 | 7 | 9 | 4 | 8 | 6 |
| 9 | 2 | 4 | 8 | 6 | 1 | 5 | 7 | 3 |
| 7 | 8 | 6 | 5 | 4 | 3 | 1 | 9 | 2 |
| 3 | 4 | 9 | 6 | 2 | 7 | 8 | 5 | 1 |
| 6 | 7 | 2 | 1 | 5 | 8 | 3 | 4 | 9 |
| 8 | 1 | 5 | 3 | 9 | 4 | 6 | 2 | 7 |

## दैनिक पंचांग

**17 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

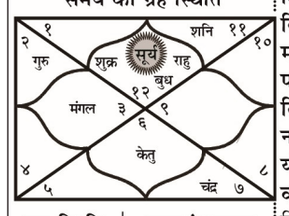


| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | मीन में | मीन | 05.59 बजे से |
| चंद्र | तुला में | मेष | 07.34 बजे से |
| मंगल | मिथुन में | वृष | 09.14 बजे से |
| बुध | मीन में | मिथुन | 11.12 बजे से |
| गुरु | वृष में | कर्क | 13.25 बजे से |
| शुक्र | मीन में | सिंह | 15.42 बजे से |
| शनि | कुंभ में | कन्या | 17.53 बजे से |
| राहु | मीन में | तुला | 20.04 बजे से |
| केतु | कन्या में | वृश्चिक | 22.19 ब.से |
| राहुकाल | 7.30 से 9.00 बजे तक | धनु | 00.35 बजे से |
| | | मकर | 02.40 बजे से |
| | | कुंभ | 04.27 बजे से |

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अमृत | 05.53 से | 07.22 बजे तक | चर | 05.43 से | 07.14 बजे तक |
| काल | 07.22 से | 08.50 बजे तक | रोग | 07.14 से | 08.45 बजे तक |
| शुभ | 08.50 से | 10.19 बजे तक | काल | 08.45 से | 10.17 बजे तक |
| रोग | 10.19 से | 11.48 बजे तक | लाभ | 10.17 से | 11.48 बजे तक |
| उद्वेग | 11.48 से | 01.17 बजे तक | उद्वेग | 11.48 से | 01.19 बजे तक |
| चर | 01.17 से | 02.45 बजे तक | शुभ | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| लाभ | 02.45 से | 04.14 बजे तक | अमृत | 02.51 से | 04.2 बजे तक |
| अमृत | 04.14 से | 05.43 बजे तक | चर | 04.22 से | 05.53 बजे तक |

**सोमवार** 2025 वर्ष का 76 वा दिन
**दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** बसंत।
**विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946
**मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन)
**पक्ष** कृष्ण
**तिथि** तृतीया 19.34 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** चित्रा 14.47 बजे को समाप्त।
**योग** ध्रुव 15.45 बजे को समाप्त।
**करण** वणिज 06.15 बजे तदनन्तर विष्टि 19.34 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 17.0 घण्टे
**रवि क्रान्ति** दक्षिण 01° 20'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1872286
**जूलियन दिन** 2460751.5
**कलियुग संवत्** 5125
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2551
**हिजरी सन्** 1446
**महीना** रमजान **तारीख** 16
**विशेष** शिवाजी जयंती, संकष्टी चतुर्थी।

**चौघड़िया शुभाशुभ**- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

## शब्द पहेली - 8434

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | | 3 | ■ | 4 | | 5 | ■ |
| 6 | | ■ | | ■ | | ■ | 7 | 8 |
| | ■ | 9 | | 10 | | ■ | ■ | |
| 11 | | | ■ | | ■ | 12 | | |
| ■ | ■ | 13 | | ■ | 14 | | ■ | ■ |
| 15 | | | ■ | 16 | ■ | 17 | | 18 |
| | ■ | ■ | 19 | | 20 | | ■ | |
| 21 | 22 | ■ | | ■ | | ■ | 23 | |
| ■ | 24 | | | ■ | 25 | | | |

**बाएँ से दाएँ**

1. कलाकार, अदाकार-4
4. फूलों की छोटी माला, वेणी-3
6. पैर, पांव-2
7. अधिकार-2
9. खानाबदोश, बंजारा-4
11. राशन, खाद्य सामग्री-3
12. टेसू के फूल-3
13. कपोल, रुखसार-2
14. विजय-2
15. डोली उठाने वाले-3
17. जल प्रपात-3
18. गठबंधन-4
21. पानी, जल-2
23. नौका-2
24. देह, काया, शरीर-3
25. अगुवा, राह दिखाने वाला-4

**ऊपर से नीचे**

1. उपवास का खाना-4
2. झुका हुआ-2
3. व्यवहार-3
4. समयघोष-3
5. मार्ग, पथ-2
8. गागर, घड़ा, घट-3
9. स्मारक-4
10. हत्या, कत्ल-2
12. पत्तों के गिरने का मौसम-4
15. कथा, गाथा-3
16. अष्टम-2
18. नामचीन-4
19. रवाना होना-3
20. विदूषक, मसखरा-3
22. ईश्वर, भगवान-2
23. बटन, स्विच-2

**शब्द पहेली -8433 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | र | ह | म | त | ■ | म | ■ | ■ |
| ■ | ह | ■ | द | ■ | प | न | घ | ट |
| स | ब | ल | ■ | वी | रा | न | ■ | क |
| ■ | र | की | ब | ■ | या | ■ | ना | रा |
| स | ■ | र | ज | त | प | ट | ■ | व |
| र | वि | ■ | ब | ■ | न | ह | र | ■ |
| ह | ■ | म | जा | क | ■ | नी | वा | ला |
| द | फ | ना | ना | ■ | सा | ■ | य | ■ |
| ■ | ■ | ही | ■ | ग | फ | ल | त | ■ |

Jagrutidaur.com, Bangalore

Page-03_Layout 1 3/17/2025 6:38 AM Page 1



# दुनिया के सामने नई चुनौतियों के चलते ही कई देशों में शासन का पतन हुआ : आर्मी चीफ

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि इस समय दुनिया नई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिसके कारण इराक, लीबिया, सीरिया, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और कई अन्य देशों में शासन का पतन हुआ है। अंशकालिक मित्रता एक नई उभरती हुई घटना है, जिसे 'मजबूरी में दोस्त' भी कहा जाता है। एक निर्वाचित सरकार की अवधि या एक निर्वाचित नेता का पतन एक राष्ट्र के पूरे दृष्टिकोण को बदल रहा है।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी रविवार को नई दिल्ली में देश के पहले आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल बिपिन रावत की याद में चौथे व्याख्यान 'उभरते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में बदलते प्रतिमान' विषय पर व्याख्यान दे रहे थे। उन्होंने कहा, हम देखते हैं कि अमेरिका, कनाडा या बांग्लादेश में क्या हो रहा है।

दुनिया यूक्रेन और गाजा में दो बड़े संघर्षों से अभी-अभी उबर रही है, जिसमें अधिकांश देशों ने यथार्थवाद, आदर्शवाद या धर्म के आधार पर पक्ष लिया था। इस उथल-पुथल में चल रहे उप-राष्ट्रीय संघर्ष और वैश्विक शांति के लिए आम खतरे जैसे आतंकवाद, कट्टरपंथ और बड़े पैमाने पर साइबर हमले भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि यदि मौजूदा विवादों को देखें, तो हम पाते हैं कि चीन, एशिया, अफ्रीका और यूरोप में अपने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव निवेशों के जरिये स्थापित नियम-आधारित प्रणाली को चुनौती दे रहा है। अमेरिका गठबंधनों को मजबूत करके और एक मुक्त इंडो-पैसिफिक को बढ़ावा देकर जवाब दे रहा है। यूरोप चीन और अमेरिका के साथ मिलकर मानवाधिकारों के अपने सिद्धांत को बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। अफ्रीका दोनों ब्लॉकों से निवेश प्राप्त करने की कोशिश कर रहा है और वैश्विक दक्षिण तेजी से एक बहुध्रुवीय दुनिया की मांग कर रहा है, जो विविध हितों को दशार्ती है।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि चीन ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के समुद्री क्षेत्र के बीच जहाज अग्नि अभ्यास करके अपने संकेत को बढ़ाया है। इस शक्ति संघर्ष में उत्तर कोरिया चुपचाप सैन्य रूप से मजबूत होता जा रहा है। यहां तक कि वैश्विक कॉमन्स महासागर, बाहरी अंतरिक्ष, साइबर स्पेस और वायुमंडल भी उसी भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण खतरे में हैं। गलत सूचना विश्वास को कमजोर करती है, जबकि आर्थिक असमानताएं और संसाधन प्रतिस्पर्धा अशांति और पलायन को बढ़ावा देती है। इन खतरों से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग, लचीलापन और अनुकूल सुरक्षा रणनीतियों की आवश्यकता है।

फिरोजाबाद। आस्था के साथ पर्यटन का केंद्र बनेगा सामौर बाबा धाम, पर्यटन मंत्री ने किया विकास कार्यों का लोकार्पण।

हरिद्वार। पेट्रोल पम्प में मारपीट कर लूटपाट करने वाले तीन गिरफ्तार।

# ऑयल मिल के टैंक में मिले दो कर्मचारियों के शव, सफाई के दौरान दम घुटने की आशंका

बैतूल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के बैतूल जिला मुख्यालय स्थित सदर क्षेत्र में बैतूल ऑयल मिल में शनिवार की रात बड़ा हादसा हो गया। मिल के वाटर ट्रीटमेंट टैंक की सफाई के दौरान दो मजदूरों की मौत हो गई। बताया गया कि रात की शिफ्ट में मजदूर टैंक में उतरे थे। कुछ देर बाद दोनों टैंक में बेहोश पड़े मिले। कंपनी के लोगों ने पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों को बाहर निकाला। तब तक दोनों मजदूरों की मौत हो चुकी थी। यह मिल पूर्व कांग्रेस विधायक निलय डागा और उनके परिवार के स्वामित्व वाली है।

मृतकों की पहचान कैलाश पानकर (53 वर्ष), निवासी कंपनी गार्डन, बैतूल और दयाराम नरवरे (56 वर्ष) निवासी रामनगर गंज, बैतूल के रूप में हुई है। दोनों ही मिल में मशीन ऑपरेटर के तौर पर कार्यरत थे। प्रारंभिक जांच में टैंक में जहरीली गैस जमा होने से दम घुटने की आशंका जताई गई है। मृतकों के परिजनों ने उचित मुआवजे की मांग की है। वहीं, प्रशासन ने घटना की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। कंपनी से सुरक्षा मानकों पर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बैतूल ऑयल मिल के मैनेजर अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि टैंक की सफाई हर दो महीने में एक बार की जाती है। शनिवार रात की शिफ्ट (शाम 4 बजे से रात 12 बजे) के दौरान कैलाश पानकर और दयाराम नरवरे सफाई के लिए टैंक में उतरे थे। जब रात 12 बजे उनकी ड्यूटी समाप्त हुई और दूसरी शिफ्ट के कर्मचारी पहुंचे, तो उन्होंने दोनों को टैंक के अंदर पड़ा पाया। इसकी सूचना तुरंत फैक्टरी प्रबंधन को दी गई, जिसके बाद पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे।

घटना की जानकारी मिलते ही मृतकों के स्वजन और स्थानीय लोग अस्पताल पहुंच गए। गुस्साए परिजनों ने 50 लाख रुपये मुआवजे और अन्य सुविधाओं की मांग को लेकर अस्पताल के सामने चक्काजाम कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मिल प्रबंधन की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस, प्रशासन और मिल प्रबंधन के अधिकारी लगातार परिजनों से बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान अस्पताल में तनावपूर्ण माहौल बना है। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और अपनी मांगों को पूरा करने की शर्त रखी।

एसडीएम राजीव कहार ने बताया कि कंपनी ने लिखकर दिया है कि नियमानुसार मृतकों के जो क्लेम होंगे, वे दिए जाएंगे। एक माह में सभी क्लेम दिए जाएंगे। कंपनी ने मुआवजे के तौर पर 10 लाख रुपये दिए हैं। जिस पर परिवार सहमत है। शासन से मिलने वाली सहायता भी उन्हें दी जाएगी। मुआवजे को आश्वासन के बाद परिवार वालों ने चक्काजाम खत्म कर दिया, जिसके बाद मृतकों का पीएम करवाया जा रहा है।

एडिशनल एसपी कमला जोशी ने बताया कि फिलहाल मौके पर जांच शुरू नहीं की गई है, जिसकी वजह से मौतों की वास्तविक जानकारी सामने नहीं आ सकी है। मृतकों के पोस्टमार्टम के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। वहीं, एसडीओपी शालिनी परस्ते ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। टैंक में उतरने के दौरान सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल किया गया था या नहीं, यह भी जांच का विषय है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और मिल प्रबंधन से भी पूछताछ की जा रही है।

यह फैक्टरी सोयाबीन खाद्य तेल बनाती है, जिसका सरस नाम का खाद्य तेल बाजार में बिकता है। यह फैक्टरी पूर्व विधायक स्व. विनोद डागा और पिछली बार बैतूल विधायक रहे निलय डागा के परिवार के प्रबंधन से जुड़ी है। पूर्व विधायक निलय डागा के परिजन इसका संचालन करते हैं, लेकिन फिलहाल निलय डागा इसके डायरेक्टर्स में शामिल नहीं है। फैक्टरी प्रबंधक अजय मिश्रा ने बताया कि घटनास्थल पर गैस जैसी कोई स्थिति नहीं है। इसके कारणों की जांच कर रहे हैं। मृतक हमारे परिवार के सदस्यों की तरह थे। उनके परिजनों की हर संभव मदद की जाएगी।

# सेवा भारती का उद्देश्य, जो आज सेवा लेने वाले हैं, वो कल सेवा देने वाले बनें : युद्धवीर

वाराणसी, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के सेवा प्रमुख युद्धवीर ने रविवार को सेवा भारती के कार्यों की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि सेवा विभाग, सेवा भारती का उद्देश्य है कि जो आज सेवा लेने वाले हैं, वो कल सेवा देने वाले बनें। यह तभी संभव है जब शिक्षित, संभ्रात वर्ग इन वंचित, पीड़ित एवं अभावग्रस्त जनों की शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार और रोजगार की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए समय देने के साथ कुछ धन भी दे। सेवा प्रमुख युद्धवीर सेवा भारती, काशी प्रान्त के कार्यालय माधव सेवा प्रकल्प, चन्दापुर, लोहता स्थित नव निर्मित सभागार के उद्घाटन समारोह एवं होली मिलन कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता उन्होंने सेवा भारती के कार्यों का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि देश में करोड़ों लोगों का एक ऐसा वर्ग है, जो दीर्घ काल से विभिन्न जीवनोपयोगी संसाधनों से वंचित है। इनको शेष प्रगत समाज के साथ लाते हुए राष्ट्रनिर्माण के कार्य में सम्मिलित करना, यही संघ द्वारा सेवा का उद्देश्य है। सेवा दो प्रकार से होती है- पहला जीवन रक्षण, दूसरा जीवन निर्माण। जीवन निर्माण में सेवा भारती काशी प्रांत में शिक्षा के 237, स्वास्थ्य के 37, स्वावलंबन के 86 एवं सामाजिक के कुल 28 केंद्र चल रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज माधव सेवा प्रकल्प पर दो सभागारों का लोकार्पण हुआ है। मदन जी सभागार और अहिल्या बाई होल्कर सभागार, जो कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के 300वीं जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रखा गया है। उन्हें शासन, दूरदृष्टि और न्यायप्रियता के लिए जाना जाता है। माधव सेवा प्रकल्प, जो संघ के द्वितीय सरसंघचालक के नाम पर रखा गया है।

कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज्यसभा सांसद डॉ. के लक्ष्मण ने दोनों सभागारों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मैं जनप्रतिनिधि सांसद, मंत्री बनने नहीं आया, राष्ट्र और मां भारती के लिए कुछ कर पाएं, राजनीति में आने का उनका यह उद्देश्य है। अहिल्याबाई होल्कर सभागार के निर्माण में अपना सहयोग दे पाने के लिए सेवा भारती समिति का धन्यवाद देते हुए कहा कि सेवा के इस कार्य के लिए मुझे मौका मिला। इस सभागार से दक्षिण से आने वाले लाखों श्रद्धालु अब काशी के इस सभागार में रह सकेंगे।

आरएसएस काशी प्रांत के प्रांत प्रचारक रमेश ने विश्व कल्याण की कामना के साथ सभी को होली की बधाई दी। उन्होंने कहा कि जो पिछड़ गए उन्हें आगे लाना हम सभी का कार्य है। भारत वसुधैव कुटुंबकम का देश है, इसलिए सभी के जीवन निर्माण में समाज का योगदान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश बदल रहा है, जिसका प्रमाण महाकुंभ है, जिस प्रकार से लोग एक ही जगह अमीर, गरीब, महिला, पुरुष सभी लोग स्नान कर रहे हैं। 50 करोड़ से अधिक लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई और प्रत्येक भारतवंशी ने, जिसको जितनी श्रद्धा थी, सभी के लिए भोजन, पानी, रहने की व्यवस्था की। यह भारत का मौलिक स्वभाव है सभी के लिए कुछ करने का। समाज के हर वर्ग को मिलकर एक-दूसरे के कल्याण के लिए काम करना चाहिए। यह भारतीय समाज की असली शक्ति है। संघ का यही उद्देश्य है कि सब एक-दूसरे के लिए खड़े रहें, सभी का सहयोग यथासंभव करें। इसके पहले प्रकल्प की बहनों ने दीप ज्योति स्तुति की। शक्ति गीत गाकर स्वागत किया। प्रकल्प पर चल रहे विभिन्न केंद्रों के बारे में सह प्रांत सेवा प्रमुख पवन कुमार ने जानकारी दी। सेवा भारती समिति के अध्यक्ष राहुल सिंह ने अतिथियों का आभार जताया। कार्यक्रम में प्रकल्प की बहन ने होली नृत्य प्रस्तुत किया। बाल संस्कार केंद्र के बच्चों ने अपना अनुभव बताया। मंच का संचालन ज्यूत राम विश्वकर्मा (महामंत्री सेवा भारती समिति) ने किया।

# बड़ा हादसा टला, ट्रैक पर दौड़ती इंटरसिटी एक्सप्रेस दो हिस्सों में बंटी, यात्रियों में मचा हड़कंप

सिंगरौली, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में रविवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा टल गया। यहां पटरी पर दौड़ती सिंगरौली से जबलपुर के बीच चलने वाली इंटरसिटी ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। बोगी अलग होने के बाद ट्रेन करीब एक किलोमीटर दूर निकल गई। गनीमत रही कि ट्रेन की स्पीड ज्यादा नहीं थी। धीमी गति से चलने के कारण बड़ा रेल हादसा होते होते टल गया। इस घटना के चलते ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया। ट्रेन रुकने के बाद लोग गाड़ी से नीचे उतरे। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है। सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचे और राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। फिलहाल, रेलवे की एक टीम हादसे के कारणों की जांच में जुट गई है। ये पूरी घटना ब्यौहारी स्टेशन से पहले की है।

यह हादसा रविवार सुबह 7:40 बजे शहडोल जिले के ब्यौहारी रेलवे स्टेशन से 2 किलोमीटर आगे एक रेलवे पुल पर हुआ। सिंगरौली से जबलपुर जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 11651 दो हिस्सों में बंट गई। हादसे के समय ट्रेन के 5-6 डिब्बे इंजन के साथ रहे जबकि थर्ड एसी के बाद के चार डिब्बे पीछे छूट गए। ट्रेन के अलग होते ही चालक दल ने ट्रेन रोक तो दी लेकिन तब तक ट्रेन कुछ आगे निकल चुकी थी। इससे यात्रियों को तेज झटका लगा। शुरूआत में यात्रियों को लगा कि किसी ने चेन पुलिंग की है। इसके बाद ट्रेन के ही स्टाफ और ट्रेन में मौजूद गार्ड ने मिलकर इंजन वाले हिस्से को रिवर्स कर पीछे किया और पीछे छूट गए डिब्बों को आपस में जोड़ा, जिसमें तकरीबन 30 मिनट का वक्त लगा। घटना के तुरंत बाद रेलवे अधिकारियों को सूचना दी गई। इसके बाद मौके पर पहुंची रेलवे टीम ने मरम्मत का काम शुरू किया। आधे घंटे बाद तकरीबन 8:15 पर ट्रेन वापस से रवाना हुई। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब इंटरसिटी ट्रेन सिंगरौली से रवाना होकर जबलपुर के लिए जा रही थी। ट्रेन में सवार यात्री प्रिंस साकेत ने बताया कि ब्यौहारी स्टेशन से निकलने के बाद पहले किसी ने ट्रेन की चेन पुलिंग की। इसके बाद ट्रेन फिर से चली और एक मिनट बाद ही यह हादसा हुआ। एक अन्य यात्री अजीत सोनी ने बताया कि उन्होंने ऐसा पहली बार देखा है जब अचानक तेज झटका लगा और ट्रेन रुक गई। राहत की बात यह रही कि ट्रेन में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। वहीं इस पूरे मामले पर रेलवे अधिकारियों ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। इस समय ट्रैक पर यातायात सामान्य हो गया है और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

पटना। इस्कॉन मंदिर में आयोजित सिल्क इंडिया का प्रदर्शनी।

# पुलिस टीम पर हमले और एएसआई की मौत मामले में सख्त कार्रवाई के निर्देश

मऊगंज, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गड़रा गांव में बीती रात आदिवासी परिवार के एक युवक को बंधक बनाकर पीटने और उसे बचाने के लिए पहुंची पुलिस टीम पर भी आरोपियों के हमले में मारे गए एएसआई की मौत और घायल होने वाले पुलिसकर्मियों पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुख जताते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मऊगंज कलेक्टर अजय श्रीवास्तव ने गांव मेंबीएनएसकीधारा 163(पहले धारा 144 थी) लगा दी है और भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि मऊगंज जिले में शाहपुर थाना क्षेत्र के गड़रा गांव में दो गुटों के आपसी विवाद की सूचना पर पहुंचे तहसीलदार, थाना प्रभारी सहित पुलिस की टीम पर हुए दुर्भाग्यपूर्ण हमले में हमारी पुलिस के एक एएसआई रामचरण गौतम की जवाबी कार्रवाई में दुःखद मृत्यु हुई है। मेरी गहरी शोक संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ है। घटना के तुरंत बाद क्षेत्र में धारा 163 लागू कर डीआईजी रीवा, एसपी मऊगंज सहित अन्य पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। घटना में अन्य घायल पुलिसकर्मियों को उपचार के लिए रीवा चिकित्सालय भेजा गया है। उन्होंने डीजी पुलिस को मौके पर पहुंचकर पर्यवेक्षण के लिए निर्देशित किया है, साथ ही घटना के सभी आरोपियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि यह पूरा विवाद दो महीने पहले हुए एक सड़क हादसे से जुड़ा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि रजनीश द्विवेदी की गड़रा गांव में जमीन है। गांव का ही रहने वाला अशोक कोल (आदिवासी) उनके यहां अधिया पर काम करता था। कुछ दिन पहले अशोक ने इसी जमीन से लगी भूमि को खरीद लिया था। लोगों का कहना है कि रजनीश के परिजन सनी द्विवेदी को यह बात अच्छी नहीं लगी। करीब दो महीने पहले अशोक रजिस्ट्री करवाने के लिए हनुमना गया था। तब बाइक से लौटते वक्त सड़क हादसे में उसकी मौत हो गई थी। अशोक के परिवार वालों का आरोप था कि सनी ने उसकी हत्या की है, लेकिन पुलिस ने जांच के बाद सनी को क्लीनचिट दे दी थी। आदिवासी परिवार इससे संतुष्ट नहीं था। इसी के बाद से अशोक के परिवार वालों ने सनी द्विवेदी के परिवार से दुश्मनी मान ली। लोगों का कहना है कि शनिवार को दोपहर करीब 1:30 बजे सनी घूमते हुए आरोपियों के मोहल्ले में चला गया था। इसी दौरान अशोक के परिवार वालों ने उसे पकड़कर बंधक बना लिया और मारपीट भी की। इससे उसकी मौत हो गई। डीआईजी साकेत पांडे ने बताया कि गड़रा गांव में शनिवार को आदिवासी गुट के लोगों ने द्विवेदी परिवार पर हमला बोल दिया। सूचना पर पुलिस की टीम शाम को युवक को बचाने के लिए गांव पहुंची तो, आसपास के गांव के आदिवासी समाज के करीब 250 लोग इकट्ठा हो गए और पुलिस टीम पर हमला कर दिया। हमले में एसएएफ के एएसआई रामचरण गौतम की मौत हो गई जबकि आठ पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायल शाहपुर थाना प्रभारी शाहपुर संदीप भारती, हनुमना तहसीलदार कुमारे लाल पनका, एएसआई जवाहर सिंह यादव, राम केवट, राम लखन मिश्रा को गंभीर हालत रीवा रेफर किया गया है। वहीं, विकास पांडेय, प्रीति यादव, रामवचन यादव, देववती सिंह, बृहस्पति पटेल को सिविल अस्पताल और आशीर्वाद हॉस्पिटल मऊगंज में भर्ती कराया गया है। हनुमना तहसीलदार कुमारे लाल पनका के ड्राइवर दिनेश गोस्वामी ने बताया कि तहसीलदार को भी लाठी-डंडे से पीटा गया है। सिर में गंभीर चोट है। हाथ टूट गया है।

Page-04_Layout 1 3/17/2025 4:16 AM Page 1



## सम्पादकीय

# शिक्षा और श्रम से ही होगा अल्पसंख्यकों का कल्याण

उत्तम शिक्षा सभ्य समाज की बुनियाद रखने की पहली शर्त होती है। शिक्षा ही है जो मानव को उत्तम मानव बनाती है। बगैर सामाजिक वातावरण और शिक्षा के अभाव में तो इंसान का बच्चा भी पशुओं के सदृस व्यवहार करता नजर आ जाता है। इसलिए प्रत्येक काल में शिक्षा को महत्व दिया गया। ऐसी ही शिक्षा के महत्व को प्रतिपादित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक समारोह में कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय से अधिक इंजीनियर, आईपीएस और आईएएस अधिकारी आएंगे तो सभी प्रगति करेंगे। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कमाल का उदाहरण देते हुए कहा कि आज हमारे सामने पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण है। यह समझने वाली बात है कि यदि उन्हें पढ़ने का अवसर नहीं मिलता तो कुछ भी नहीं होता, शिक्षा की यही ताकत है। ऐसी शिक्षा जो इंसान को आगे बढ़ने की सोच प्रदान करती है। शिक्षा ही है जो जीवन मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए समाज व देश को सही दिशा प्रदान करने वाले मानव का निर्माण करती है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने इस आशय की बातें एक दीक्षांत समारोह के दौरान कहीं और चूंकि वो धर्म, जाति और संप्रदाय की बातें सार्वजनिक तौर पर नहीं करते सो उन्होंने यहां पर भी पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के दौरान कही गई बात को दोहराया और कहा कि जो करेगा जात की बात, उसको मारूंगा लात। यह तो आर्षवाक्य होना चाहिए और सिर्फ राजनीति में नहीं बल्कि हर क्षेत्र में इसका ध्यान रखा जाना चाहिए, फिर चाहे वो शिक्षा के साथ निजी और सरकारी नौकरियों में भर्ती का मामला ही क्यों न हो। वैसे भी गडकरी अपने बेबाक बयानों के लिए भी जाने जाते हैं, इसलिए इस तरह की बात सुनकर भी लोगों को नहीं लगता कि वो कुछ ज्यादा बोल गए, या उनकी बात में कुछ अनुचित समाया हुआ है। जहां तक शिक्षा की बात है तो इसमें शक नहीं कि शिक्षा पर फोकस किया जाना चाहिए, लेकिन इससे पहले यह भी तय करना होगा कि शिक्षा सिर्फ बाबू और अधिकारी बनाने वाली नहीं होनी चाहिए। एक ऐसी शिक्षा की दरकार हमेशा से है और होनी भी चाहिए जो समाज कल्याणकारी मानव को निर्मित करती हो। पर अफसोस कि हमारी शिक्षा का ऊपरी ढांचा तो भारतीय नजर आता है, लेकिन उसके अंदर समायी हुई आत्मा अंग्रेजों की गढ़ी हुई है, जो अच्छा इंसान बनाने की बजाय क्लर्क तैयार करने पर विशेष जोर देती है। यह एक बात है, दूसरी बात यह कि शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में जो ईमानदारी आजादी के इतने सालों बाद उभरकर सामने आनी चाहिए थी, वह कहीं से भी नजर नहीं आई है। नतीजे में उच्चशिक्षित योग्य युवा दर-दर की ठोकरें खाते नजर आ जाते हैं, जबकि सिफारिशी और राजनीतिक पहुंच वाले कम योग्य व्यक्ति उच्च पदों पर सुशोभित होते देखे जा सकते हैं। इससे युवाओं में एक आक्रोश घर करता चला जा रहा है। यह क्या कम गंभीर बात है कि किसी सरकारी दफ्तर में एक क्लर्क की पोस्ट निकलती है और आवेदन करने वाले लाखों अभ्यर्थियों में डॉक्टर्स और इंजीनियर्स भी शामिल नजर आ जाते हैं। यह वाकई गंभीर चिंता का विषय है। इसके लिए महज शिक्षा प्रणाली को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है, बल्कि उच्च स्तर पर जो अंधा बांटे रेबड़ी, और चीन्ह-चीन्ह के देय वाली कहावत चरितार्थ हो रही है, उस पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। जहां तक अल्पसंख्यकों को शिक्षा और समानता का अवसर उपलब्ध कराने की बात है तो अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया 15 सूत्री कार्यक्रम अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। यह एक व्यापक कार्यक्रम है, जिसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि छह केंद्रीय रूप से अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के वंचित और कमजोर वर्गों को विभिन्न सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के समान अवसर मिलें और वे देश के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान दें। इनमें विभिन्न छात्रवृत्तियों के साथ ही ऋण योजनाएं भी शामिल की गई हैं, ताकि अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों की प्रगति में कोई अड़चन न आने पाए। इस प्रकार सरकार की मंशा और योजनाएं तो समाज व समुदाय के लिए कल्याणकारी होती हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन और प्रचार-प्रसार जमीनी हकीकत से कोसों दूर होता है। इस कारण इसके लाभार्थियों को अंगुलियों में गिना जा सकता है, जबकि इसके लाभ के आकांक्षी करोड़ों में होते हैं। इस दिशा में भी विचार करने और उचित कदम उठाने की आवश्यकता है। बहरहाल शिक्षा और रोजगार के साथ ही स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार की गुंजाइश तो हर काल में रहती है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता है। जहां तक शिक्षा का सवाल है तो किसी जाति, धर्म या संप्रदाय विशेष के लिए नहीं बल्कि प्रत्येक भारतीय के लिए यह आवश्यक है, ताकि देश व समाज बेहतर तरक्की कर सकें।

**प्रसंगतः** देश की आत्मा

एक बार सम्राट नेपोलियन छुट्टी बिताने पैरिस से काफी दूर एक छोटे शहर में अपने एक मित्र के यहां आए। मित्र ने उन्हें वहां की कई रमणीक जगहें दिखाईं लेकिन नेपोलियन को कोई जगह पसंद नहीं आ रही थी। उन्होंने कहा, 'मैं अपने देश की असली जिंदगी देखने के लिए निजी यात्रा पर यहां आया हूं। आप मुझे वह जगह दिखाइए जहां देश की आत्मा बसती है। मैं देखना चाहता हूं कि हमारे देश के किसान और मजदूर किस हाल में हैं।' मित्र उन्हें लेकर शहर से बहुत दूर एक कस्बे में गया। नेपोलियन ने देखा कि खेत में फसल लहलहा रही है। मजदूर खेत में काम कर रहे हैं। वह बहुत खुश हुए। एक दिन वह एक संकरी गली से गुजर रहे थे कि सामने से एक किसान सिर पर भारी बोझ लेकर आता दिखा। गली इतनी पतली थी कि किसान बगल से निकल नहीं सकता था और न ही मुड़ सकता था। वह पसोपेश में पड़ कर खड़ा हो गया। उसे इस तरह खड़ा देख नेपोलियन के मित्र ने क्रोध में कहा, 'तुम्हें दिखाई नहीं देता? अंधा है क्या? जल्दी से वापस जाओ।' किसान बोझ लेकर मुड़ ही रहा था कि उसका एक पैर किसी चीज में फंस गया और वह लड़खड़ाने लगा। वह बोझ सहित गिरने ही वाला था कि नेपोलियन ने दौड़ कर उसे सहारा दिया और कहा, 'तुम्हें वापस लौटने की जरूरत नहीं है। तुम आराम से निकल जाओ।' किसान को जगह देने के लिए नेपोलियन अपने मित्र के साथ पीछे लौट कर दूसरी गली में खड़े हो गए। किसान के जाने के बाद मित्र ने कहा, 'एक अदने किसान के लिए हमें अपना मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए था। हमें देख कर लोग क्या सोचेंगे।' नेपोलियन ने कहा, 'दोस्त, किसानों की मेहनत से ही देश तरक्की करता है। उन्हीं की मेहनत के कारण हम लोग भरपूर सुख भोगते हैं। उनका तिरस्कार देश की उपेक्षा के बराबर है।' मित्र का सिर लज्जा से झुक गया।

आरएनआई नं. DELHIN/2009/28518 स्वामी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक रमाकांत पाण्डेय द्वारा दिव्य भारत प्रकाशन के लिए न-93 डी नारायण नगर दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफल इंफोटेक लि., प्रेस, सी-9 सेक्टर 3 नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : रमाकांत पाण्डेय, कार्यकारी सम्पादक : आलोक पाण्डेय, फोन : 7701825882, 7905152597, पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के लिए उत्तरदायी।
**E-mail :** newdibyabharat@gmail.com

# बॉलीवुड के अनकहे किस्से : दक्षिण का हिंदी सिनेमा और प्राण

**अजय कुमार शर्मा**

बंबई के फिल्म उद्योग की अपेक्षा, दक्षिण के फिल्म उद्योग को हमेशा बहुत अधिक अनुशासित और बेहतर ढंग से संगठित माना जाता रहा है। 1940 के दशक के आखिरी वर्षों में, दक्षिण के फिल्म निमार्ताओं ने हिंदी फिल्मों के राष्ट्रव्यापी बाजार को भुनाने के लिए हिंदी भाषा की फिल्मों के निर्माण में पहला बड़ा कदम उठाया। चालीस के दशक के अन्त तक पचास के दशक के शुरू में, इस दिशा में कदम बढ़ाने वाली दक्षिण की महान हस्तियों में, खासतौर पर, स्टूडियो के मालिक थे-जैमिनी स्टूडियो (मद्रास) के. एस. एस. वासन; ए. बी. एम स्टूडियो (मद्रास) के ए. वी. मैय्यप्पन चेट्टियार; पक्षीराजा स्टूडियो (कोयम्बटूर) के एस. एम. एस. नायडू, वीनस के कृष्णमूर्ति और बहुत बाद में, 1967 में, विजया वाहिनी स्टूडियो (मद्रास) के बी. नागि रेड्डी ने इस दिशा में अपना सफर शुरू किया। सही मायने में दक्षिण से बनने वाली पहली हिंदी फिल्म, 1948 में प्रदर्शित, एस. एस. वासन की फिल्म 'चन्द्रलेखा' थी। इस फिल्म की सफलता को देखकर दक्षिण के सभी बड़े निमार्ता बंबई के बड़े सितारों को लेकर फिल्म बनाने के लिए टूट पड़े।

बंबई फिल्म उद्योग के कलाकार भी इनके अधिक पैसों के प्रस्तावों को स्वीकारने में रुचि दिखाने लगे। जल्द ही पचास के दशक के पर्दे पर दिखने वाले और पर्दे के पीछे काम करने वाले हर बड़े सितारे ने बंबई की बजाए मद्रास में ज्यादा समय बिताना शुरू कर दिया। उस समय दक्षिण की फिल्मों में काम करने वाले बंबई के प्रमुख सितारे थे-अशोक कुमार, दिलीप कुमार, राजेन्द्र कुमार, सुनील दत्त, ओम प्रकाश, निरूपा राय, नूतन, वहीदा रहमान, माला सिन्हा, धर्मेन्द्र, किशोर कुमार, संजीव कुमार, जानी वॉकर, मुकरी और प्राण तथा संगीतकार सी. रामचन्द्र व चित्रगुप्त।

दक्षिण के निमार्ताओं और बंबई के बड़े सितारों के आपसी सम्बन्धों के बारे में अनगिनत किस्से प्रचलित हैं। सबसे पहली बात, दक्षिण के निमार्ता बंबई के सितारों से सीधे मोल-भाव नहीं करते थे। वे अपने प्रोडक्शन कंट्रोलरों की पूरी टीम रखते थे, जिनका काम होता था बंबई के कलाकारों को साइन करना। मोल-भाव करने में कभी कोई दिक्कत नहीं होती थी क्योंकि दक्षिण भारतीय निमार्ताओं के प्रतिनिधि हर कलाकार की वर्तमान कीमत की पूरी जानकारी रखते थे और उन्हें उनकी सही कीमत और कभी-कभी कम कीमत पर भी साइन कर लेते थे क्योंकि ये बहुत जल्दी नकद पेमेंट दे देते थे। मद्रास के स्टूडियो मालिकों के कुछ प्रतिनिधियों के बंबई के सितारों से इतने अच्छे दोस्ताना संबंध बन गए कि आगे चलकर वे खुद भी फिल्म निमार्ता बन गए।

दक्षिण भारतीय फिल्मों के लिए बंबई के सितारों में प्राण की सबसे अधिक मांग थी। अपनी, मद्रास की, पहली फिल्म 'बहार' के बारे में बताते हुए प्राण ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि 'ए वी एम स्टूडियोज के मालिक ने एम. वी.रामन जो कि तमिल भाषा की कई सुपरहिट फिल्में बना चुके थे, उनके निर्देशन में बनने वाली पहली हिंदी फिल्म बहार के लिए साइन किया। ओमप्रकाश, करण दीवान, वैजयन्ती माला और गीतकार राजेन्द्र कृष्ण के लिए भी यह मद्रास में बनने वाली पहली हिंदी फिल्म थी। प्राण ने आगे लिखा है कि वहां के सभी लोग हमें पसन्द करते व हमारा आदर करते। हमें अच्छे पैसे दिए जाते और हमारी अच्छी खातिरदारी भी की जाती। इस तरह हमारा छोटा ग्रुप मद्रास में काफी लोकप्रिय हो गया। खासतौर पर ओम प्रकाश, राजेन्द्र कृष्ण, सी. रामचन्द्र 'मैं और कुछ और लोग।

मद्रास में पूरे आठ घंटे की शिफ्ट में काम करने का नियम था। किसी दर्शक को अन्दर आने की अनुमति नहीं होती थी। कोई भी सेट के आसपास मटरगश्ती अथवा सितारों से गप-शप नहीं कर सकता था। उनके लिए फिल्म निर्माण एक गम्भीर कार्य था, करोड़ों रुपयों का उद्योग था और इसके लिए वे पूरे आदर और निष्ठा से यह कार्य करते थे।

दक्षिण में काम करने वाले कलाकरों के लिए सुबह ठीक नियत समय पर स्टूडियो की गाड़ी फाइव स्टार होटल के अहाते में उनके लिए पहुंच जाती। हर सितारे के लिए उनका प्रोडक्शन एक्जीक्यूटिव पहले नीचे रिसेप्शन से उन्हें फोन करता, फिर ऊपर जाकर, उनके साथ कार तक चलकर उन्हें सम्मान से गाड़ी में बैठाता। वे ठीक समय पर स्टूडियो के लिए रवाना हो जाते और बिल्कुल तय समय पर वेषभूषा और मेकअप के साथ सेट पर पहुंच जाते। स्टूडियो के फ़्लोर के प्रवेश द्वार पर निमार्ता स्वयं उनकी प्रतीक्षा करता हुआ मिलता तथा विनम्र अभिवादन के बाद उनके साथ सेट तक जाता। दिन के प्रथम शॉट के पूरा होने तक निमार्ता वहीं रहता, फिर निर्देशक और अभिनेता को अपना काम करने के लिए सेट पर छोड़कर स्वयं अपना काम करने के लिए निकल जाता।

फिल्म बहार (1951) के प्रीमियर पर प्राण पहली बार अपनी पत्नी शुक्ला को भी ले जाना चाहते थे। उनकी पुरानी गाड़ी हिलमैन एक एक्सीडेंट में चकनाचूर हो गई तो उन्होंने तय किया कि वह अपनी पत्नी को एक और भी बड़ी गाड़ी में वहां ले जाएंगे। इसके लिए उन्होंने एक क्रिस्टल गाड़ी खरीदी और उसके लिए पांच हजार रुपए ज्यादा भी दिए। यह प्रीमियर उनके लिए इसलिए भी महत्त्वपूर्ण था क्योंकि यह दक्षिण की उनकी पहली फि ल्म थी और दूसरा यह है कि अपनी भूमिका के अनुसार भी वे वहां एक ऐसी गाड़ी में जाना चाहते थे जो किसी के पास न हो। बहार सारे भारत में सुपरहिट रही। उसके बाद प्राण ने वहां की कई फिल्में साइन की जो बाद में सुपर हिट रहीं। 1950 से 1955 तक प्राण ने दक्षिण की हर साल औसतन 6 फिल्में साइन की। शुरूआत में वे वहां अपना पंजाबी खाना मिस करते थे लेकिन कुछ समय बाद उनके छोटे भाई कृपाल का तबादला मद्रास हो गया तो केवल प्राण ही नहीं, दिलीप कुमार और मनोज कुमार भी उनके यहां नियमित खाना खाने पहुंचने लगे।

# क्या महिला किसानों तक पहुँच रही है तकनीक

**प्रियंका सौरभ**

डिजिटल तकनीक और छोटे-मोटे हस्तक्षेपों ने भारतीय कृषि में महिलाओं के लिए परिदृश्य को काफी हद तक बदल दिया है। इन नवाचारों ने महिला किसानों को भूमि स्वामित्व, बाजार तक पहुँच, वित्तीय समावेशन और ज्ञान के आदान-प्रदान से सम्बंधित पारंपरिक बाधाओं को तोड़ने में सक्षम बनाया है। डिजिटल उपकरण कृषि में महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं। एप्लिकेशन और हेल्पलाइन वास्तविक समय के मौसम पूवार्नुमान, इष्टतम कृषि तकनीक और वर्तमान बाजार मूल्य प्रदान करते हैं। किसान सुविधा, पूसा कृषि और इफको किसान ऐप जैसे संसाधन महिला किसानों को अच्छी तरह से सूचित विकल्प बनाने में सहायता करते हैं। व्हाट्सएप ग्रुप और यूट्यूब ट्यूटोरियल सहकर्मी सीखने और ज्ञान के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करते हैं। यूपीआई, डिजिटल वॉलेट और ऑनलाइन बैंकिंग सहित डिजिटल भुगतान प्रणाली महिलाओं को सीधे ऋण और सब्सिडी सुरक्षित करने में सक्षम बनाती है। किसान क्रेडिट कार्ड और डिजिटल माइक्रोफाइनेंस प्लेटफॉर्म जैसे कि पेटीएम और नाबार्ड के ई-शक्ति, महिलाओं के नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। ई-एनएएम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) और एग्रीबाजार जैसे प्लेटफॉर्म महिला किसानों को अपने उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं को बेचने की अनुमति देते हैं, जिससे बिचौलियों की जरूरत नहीं पड़ती।

महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियाँ अपने जैविक कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए फेसबुक और इंस्टाग्राम का उपयोग कर रही हैं। एआई तकनीकें मिट्टी के स्वास्थ्य, कीटों का पता लगाने और सटीक खेती की तकनीकों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करती हैं। उन्नत सिंचाई प्रणाली और सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप पानी के उपयोग को कम करने और महिला किसानों के शारीरिक कार्यभार को कम करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को समूह ऋण, प्रशिक्षण और कृषि संसाधनों तक पहुँच से लाभ होता है। तेलंगाना में डेक्कन डेवलपमेंट सोसाइटी इन महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों के माध्यम से बाजरा की खेती का समर्थन करती है। महिलाओं पर बोझ कम करने में मदद करने के लिए बीज बोने वाले, हाथ से चलने वाले ट्रैक्टर और सोलर ड्रायर जैसे सरल कृषि उपकरण उपलब्ध हैं। सरकारी पहल मशीनीकृत उपकरणों के लिए सब्सिडी प्रदान करती है, जो महिलाओं के लिए फायदेमंद है। महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना जैसे एनजीओ और सरकारी कार्यक्रम आवश्यक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। डिजिटल साक्षरता पहल महिला किसानों को नए तकनीकी समाधानों को अपनाने के लिए सशक्त बनाती है। महिलाएँ जैविक खेती, पर्माकल्चर और जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियों में तेजी से शामिल हो रही हैं। वर्मीकम्पोस्टिंग पिट, छत पर बगीचे और कृषि वानिकी जैसे छोटे पैमाने के हस्तक्षेप स्थायी आय में योगदान करते हैं। टाटा ट्रस्ट्स द्वारा लखपति किसान पहल ने झारखंड में आदिवासी महिलाओं को कृषि प्रौद्योगिकी और ई-कॉमर्स में प्रशिक्षित किया है। डिजिटल ग्रीन पहल ग्रामीण महिलाओं को बेहतर खेती के तरीकों के बारे में शिक्षित करने के लिए वीडियो का उपयोग करती है। वाग्धारा जैसे किसान उत्पादन संगठन (एफपीओ) महिलाओं को सामूहिक रूप से बेहतर कीमतों पर बातचीत करने में सहायता करते हैं।

आज की दुनिया में, डिजिटल तकनीक और छोटे-छोटे हस्तक्षेप कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। परंपरागत रूप से, महिलाओं को निराई, थ्रेसिंग और डी-हल्किंग जैसे श्रम-गहन और समय लेने वाले काम सौंपे जाते रहे हैं। हालाँकि, मशीनीकरण उनके कार्यभार को हल्का करने में मदद करता है, जिससे उन्हें अधिक मूल्यवान कृषि गतिविधियों में संलग्न होने की अनुमति मिलती है। मोबाइल ऐप, हेल्पलाइन और सलाहकार सेवाओं सहित डिजिटल उपकरण महिलाओं को अप-टू-डेट बाजार और मौसम की जानकारी प्रदान करते हैं, जो बेहतर फसल योजना और संसाधन प्रबंधन में सहायता करता है। कई महिलाओं को ऋण और वित्तीय संसाधनों तक पहुँचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो आधुनिक कृषि तकनीकों में निवेश करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। सौभाग्य से, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मछली विक्रेताओं और किसानों जैसी महिलाओं को स्वतंत्र रूप से लेन-देन करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे बिचौलियों पर उनकी निर्भरता कम होती है। महिलाओं को कृषि मशीनरी चलाने के कौशल से लैस करके, ये छोटे-छोटे हस्तक्षेप जड़ जमाए हुए लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती देते हैं और महिलाओं को खेती में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाते हैं। सूचना और प्रौद्योगिकी तक पहुँच महिलाओं की पारंपरिक बाधाओं को दूर करने और अपनी स्वतंत्रता का दावा करने की क्षमता को बढ़ाती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में कई महिलाएँ डिजिटल साक्षरता से जूझती हैं, जो मोबाइल एप्लिकेशन और ऑनलाइन सेवाओं का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की उनकी क्षमता में बाधा डालती है। स्मार्टफोन तक सीमित पहुँच और अविश्वसनीय इंटरनेट कनेक्शन से स्थिति और भी खराब हो गई है। सामाजिक मानदंड निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी को प्रतिबंधित करना जारी रखते हैं। घरेलू स्तर पर निवेश अक्सर उन तकनीकों पर केंद्रित होता है जो मुख्य रूप से पुरुषों को लाभ पहुँचाती हैं, महिलाओं की अनूठी जरूरतों की उपेक्षा करती हैं। इसके अतिरिक्त, सरकारी नीतियाँ और कृषि विस्तार सेवाएँ अक्सर लिंग-विशिष्ट मुद्दों को अनदेखा करती हैं। केवल 13% ग्रामीण महिलाओं के पास जमीन है, इसलिए ऋण और कृषि कार्यक्रमों तक उनकी पहुँच बहुत सीमित है। कृषि और मत्स्य पालन में मशीनीकरण के बढ़ने से महिलाओं की नौकरियाँ चली गई हैं, जिससे उन्हें अधिक अस्थिर और अनौपचारिक रोजगार में जाना पड़ रहा है। मछली बाजारों में बड़े खरीदारों और निर्यात व्यापारियों के बढ़ते प्रभुत्व ने छोटे पैमाने की महिला विक्रेताओं को हाशिये पर धकेल दिया है, जिससे मछली की आपूर्ति और उचित मूल्य तक उनकी पहुँच सीमित हो गई है। हालाँकि मोबाइल एप्लिकेशन, ऑनलाइन मार्केटप्लेस और डिजिटल भुगतान प्रणाली नए अवसर प्रदान करती हैं, फिर भी कई ग्रामीण महिलाओं को स्मार्टफोन, इंटरनेट एक्सेस और डिजिटल कौशल की कमी के कारण बाधाओं का सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट से पता चला है कि भारत में सिर्फ. 31% ग्रामीण महिलाओं के पास स्मार्टफोन हैं, जबकि पुरुषों के लिए यह आँकड़ा 51% है। इस अंतर को पाटने के लिए, सरकार की पहल महिला किसानों के लिए स्मार्टफोन के लिए सब्सिडी दे सकती है।

इसके अतिरिक्त, स्वयं सहायता समूहों में डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण को शामिल करना महत्त्वपूर्ण है। आपको क्या लगता है कि महिलाओं की तकनीक तक पहुँच को सीमित करने में किसका ज्यादा प्रभाव पड़ता है: वित्तीय बाधाएँ या सामाजिक मानदंड सोलर पंप, डिजिटल भुगतान प्रणाली और माइक्रोलोन जैसे छोटे पैमाने के समाधान तत्काल, उल्लेखनीय सुधार ला सकते हैं। दूसरी ओर, भूमि अधिकार और कृषि तकनीक को अपनाने जैसे व्यापक सुधारों के लिए नीतिगत बदलावों की आवश्यकता होगी और इसमें अधिक समय लगेगा। ओडिशा में, मिशन शक्ति पहल ने हजारों महिलाओं को वित्तीय साक्षरता और डिजिटल लेन-देन में सफलतापूर्वक शिक्षित किया है। हालाँकि, ई-एनएएम प्लेटफॉर्म, जो भारत का डिजिटल कृषि बाजार है, अभी भी भूमि स्वामित्व चुनौतियों के कारण कम महिला भागीदारी से जूझ रहा है। आपको कौन-सी रणनीति महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अधिक प्रभावी लगती है: लक्षित, छोटे पैमाने के हस्तक्षेप या व्यापक प्रणालीगत सुधार महिलाओं के नेतृत्व वाली कई एग्रीटेक स्टार्टअप इस क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण प्रगति कर रही हैं। उदाहरण के लिए, अपूर्वा बी. के. द्वारा स्थापित कमल किसान छोटे पैमाने के किसानों के लिए किफायती कृषि उपकरण प्रदान करता है, जबकि फार्मिजेन जैविक फार्म-टू-टेबल मॉडल के माध्यम से महिला किसानों को सीधे शहरी उपभोक्ताओं से जोड़ता है। क्या सरकार को महिलाओं के नेतृत्व वाली एग्रीटेक उपक्रमों के लिए समर्पित निधि प्रदान करने पर विचार करना चाहिए?

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

# डॉ. हेडगेवार : एक आत्म-जागृत व्यक्तित्व

**पंकज जगन्नाथ जयस्वाल**

यदि हम पिछले चार दशकों में भारत और दुनिया भर में सामाजिक-राजनीतिक और धार्मिक स्थिति का अध्ययन करते हैं और डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार की दृष्टि, मिशन और विचारधारा का ईमानदारी से विश्लेषण करते हैं तो हम वास्तव में धन्य महसूस करते हैं। 100 साल पहले, जब भारतीयों ने एक औपनिवेशिक मानसिकता विकसित की थी, जो उनकी अपनी संस्कृति और धर्म को कमजोर कर रही थी, एक स्पष्ट भविष्यवादी सोच वाले ऐसे महान व्यक्तित्व का हमें आशीर्वाद मिला। उस समय, कई बुद्धिजीवियों ने हिंदुओं को एकजुट करने और प्रत्येक व्यक्ति के व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र को विकसित करने की विचारधारा के लिए डॉ. हेडगेवार का मजाक उड़ाया। कल्पना कीजिए कि इस महान राष्ट्र का क्या होता अगर डॉक्टर जी का संगठन और बाद में डॉ. हेडगेवार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बाद के सरसंघचालक से प्रेरित कई संस्थान और संगठन विभिन्न क्षेत्रों और विभाजित समाज के सभी वर्गों में काम करना शुरू नहीं करते। वामपंथी-इस्लामी-मिशनरी तिकड़ी ने डीप स्टेट वैश्विक बाजार शक्तियों के समर्थन से इस राष्ट्र को टुकड़ों में तोड़ दिया होता तथा इसे सबसे गरीब राज्य और समाज बना दिया होता, जो अपनी जड़ों को भूल गया है और इस्लामी तथा ईसाई जड़ों को पूरी तरह से आत्मसात कर लिया है।

मैं ऐसा क्यों कह रहा हूँ? इस तथ्य के बावजूद कि कई संस्थान और संगठन डॉक्टर हेडगेवार की विचारधारा से प्रेरित हैं, हम अभी भी देख रहे हैं कि कैसे वामपंथी-इस्लामी-मिशनरियों का एक समूह हिंदुओं को विभाजित करके और इस्लाम और ईसाई धर्म के पक्ष में विचारधाराओं को बढ़ावा देकर इस देश को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है। वे कुछ हद तक प्रभावी रहे हैं लेकिन पूरी तरह से नहीं, डॉ. हेडगेवार के दृष्टिकोण और मिशन के परिणामस्वरूप, जिसे लाखों स्वयंसेवकों, कई संस्थानों और संगठनों द्वारा जोरदार तरीके से आगे बढ़ाया गया है। स्वतंत्रता के बाद, राजनीतिक व्यवस्था को वामपंथी-इस्लामी-मिशनरी ताकतों ने हाईजैक कर लिया, जिससे उनके लिए कुछ भी करना आसान हो गया। हालांकि, दशकों से बनी मजबूत जमीनी ताकत और डॉ. हेडगेवार से प्रेरित होकर हर समय उनकी भारत विरोधी योजनाओं का समय समय पर पुरजोर विरोध किया।

डॉक्टर हेडगेवार की विचारधारा किसी धर्म को नष्ट करने की नहीं, बल्कि हिंदुओं को एकजुट करने की है, जिससे समाज और राष्ट्र मजबूत हो। उन्होंने महसूस किया कि अधिकांश लोग महान भारतीय संस्कृति के मूल को भूल गए हैं, गुलाम मानसिकता पैदा कर रहे हैं और अपनी लड़ाई की भावना खो रहे हैं। लोग राष्ट्रीय चरित्र बनाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार नहीं हैं। समाज को मुख्य रूप से जाति के आधार पर लड़ने के लिए ढाला गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि लोग कभी भी ब्रिटिश और मुगल शासन का विरोध करने के लिए एक साथ नहीं आते हैं। महान वेदों, उपनिषदों और भारतीय सभ्यता के खिलाफ दिमाग में जहर भर गया था। लोग छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप और स्वामी विवेकानंद जैसे महान योद्धाओं और संतों को भूल गए थे। वे भगवद गीता और चाणक्य नीति के गहन ज्ञान को भूल गए थे।

सबसे महत्वपूर्ण अहसास शत्रुबोध था, जिसका मतलब था कि लोगों ने यह भेद करने की क्षमता खो दी थी कि कौन उनका मित्र है और कौन उन्हें नष्ट करने का प्रयास कर रहा है। इसके परिणामस्वरूप जनता और उनके नेताओं के बीच काफी दरार पैदा हो गई थी। इसके परिणामस्वरूप विभिन्न समूहों के लिए अतिरिक्त शत्रु पैदा हो गए थे, साथ ही अनावश्यक बहस भी होती थी। इससे समाज के ताने-बाने को और सनातन धर्म को नुकसान पहुंचा है। इस्लाम और ईसाई धर्म में धर्मांतरण बढ़ा है।

इन सभी अनुभूतियों ने डॉ. हेडगेवार को अपने विचारों का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित किया। भारत की सामाजिक, आर्थिक और आध्यात्मिक महानता को पुनर्स्थापित करने के लिए, बहुआयामी दृष्टिकोण वाले जमीनी स्तर के कार्यबल की आवश्यकता थी, ताकि हमारा राष्ट्र इतना मजबूत हो कि कोई भी इस पर फिर से आक्रमण करने की हिम्मत न करे। अपने वास्तविक जीवन के अनुभवों के आधार पर, उन्होंने हिंदू समाज के पुनर्निर्माण के लिए सभी को एकजुट करने और एक शक्ति, एक संगठन बनाने के महत्व को समझा। इस तरह के विचार को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने 1925 में विजयादशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। राष्ट्रीय उत्थान के लक्ष्य के प्रति उनका निस्वार्थ समर्पण इस तथ्य में देखा जा सकता है कि आरएसएस के गठन, विकास और प्रभाव के पीछे प्रेरणा होने के बावजूद, वे हमेशा सुर्खियों में आने के लिए तैयार नहीं थे। इस प्रकार वे एक उदाहरण बन गए कि एक व्यक्ति को स्वार्थ और महत्वाकांक्षा को त्यागते हुए सार्वजनिक रूप से कैसे व्यवहार करना चाहिए। डॉ. हेडगेवार को लोगों, समाज या राष्ट्र के लिए जो भी काम करते थे, उसका श्रेय लेने की कोई इच्छा नहीं थी। एक क्रांतिकारी के रूप में उन्हें जमीन से काम करने की शिक्षा दी गई थी और उन्होंने इस आदर्शवाद को अपने व्यक्तित्व के अनिवार्य हिस्से के रूप में आत्मसात कर लिया था। संघ की स्थापना के एक दशक बाद भी मध्य प्रांत सरकार का मानना था कि हिंदू महासभा के नेता और डॉ. हेडगेवार के निकट सहयोगी डॉ. बीएस मुंजे ही आरएसएस के सच्चे संस्थापक थे। अपने जीवनकाल में उन्होंने अपनी जीवनी के निर्माण को सक्रिय रूप से हतोत्साहित किया। डॉ. हेडगेवार ने दामोदर पंत भाफ के बार-बार अनुरोध के बावजूद संघ और उनके प्रति सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया- आप मेरा जीवन विवरण प्रकाशित करना चाहते हैं, हालाँकि, मैं खुद को एक महान व्यक्ति नहीं मानता या मेरे जीवन की ऐसी महत्वपूर्ण घटनाएँ नहीं हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता हो। संक्षेप में, मेरा जीवन असामान्य व्यक्तिगत जीवनियों से मेल नहीं खाता। इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप इस कार्य को आगे न बढ़ाएँ। डॉ. हेडगेवार के बारे में पहली छोटी पुस्तिका उनकी मृत्यु के बाद ही प्रकाशित हो सकी। डॉ. हेडगेवार के भाषणों, प्रकाशनों और स्मरणों को मध्य प्रांत के समाचार पत्रों में व्यापक रूप से कवर किया गया। पूर्व शोध की कमी के कारण डॉ. हेडगेवार के जीवन के कई पहलू, जिनमें उनके सामाजिक और राजनीतिक विचार शामिल हैं, अज्ञात हैं। इस महान दूरदर्शी को उनकी भविष्यदर्शी अंतर्दृष्टि और राष्ट्र निर्माण पहल के लिए कोटि कोटि प्रणाम।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Page-05_Layout 1 3/17/2025 7:44 AM Page 1



# ज़िला विकास आयुक्त राजौरी ने दरहाल में लंबे समय से लंबित सड़क मुद्दे का समाधान किया

**दिव्य भारत संवाददाता**

राजौरी। जिला विकास आयुक्त अभिषेक शर्मा ने आज दरहाल का व्यापक दौरा किया, जहां उन्होंने नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित एसडीएच से दारा वाया सागरवत सड़क के लंबे समय से लंबित मुद्दे को हल किया, जिससे इसके निष्पादन का मार्ग प्रशस्त हुआ।

उनके हस्तक्षेप के बाद, सड़क निर्माण अब प्रगति पर है, जिससे स्थानीय लोगों को बहुत राहत मिली है।

इस बीच, डीडीसी ने दरहाल से कटेमर तक पीएमजीएसवाई सड़क की प्रगति का भी निरीक्षण किया, चल रहे काम का आकलन किया और अधिकारियों को समय पर पूरा करने के लिए परियोजना में तेजी लाने के निर्देश दिए।

इसके अलावा, उन्होंने जनता के प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की, उनकी चिंताओं को धैर्यपूर्वक सुना और उनकी शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया, जिससे प्रशासन की उत्तरदायी शासन के प्रति प्रतिबद्धता को बल मिला।

बाद में, डीडीसी ने क्षेत्र में चल रहे कई अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण किया और जन कल्याण सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्तापूर्ण निष्पादन और समय सीमा के पालन की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के तहत बनाई गई संपत्तियों के प्रभावी उपयोग पर भी जोर दिया और अधिकारियों को निरंतर सामुदायिक लाभ के लिए उनकी उचित देखभाल और कार्यक्षमता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस दौरे के दौरान उनके साथ एसीडी विजय कुमार वर्मा, पूर्व इंजीनियर पीएमजीएसवाई इम्तियाज मीर, तहसीलदार दरहाल, बीडीओ दरहाल और अन्य जिला और क्षेत्रीय अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं पर अपडेट भी दिए और विकास संबंधी चुनौतियों का समय पर समाधान करने का आश्वासन दिया। यह दौरा बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और दरहाल के लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

## जनरल जोरावर सिंह ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने उपराज्यपाल से मुलाकात की

**दिव्य भारत संवाददाता**

जम्मू। जनरल जोरावर सिंह मेमोरियल एजुकेशन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष और ट्रस्टी श्री देविंदर सिंह कलुरिया, सुश्री दीक्षा कलुरिया और सुश्री रिया कलुरिया ने आज उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा से मुलाकात की।

यंग लॉयर्स एसोसिएशन, जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय, जम्मू के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी उपराज्यपाल से मुलाकात की।

*जनरल जोरावर सिंह ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने उपराज्यपाल से मुलाकात की।*

# ज़िला विकास आयुक्त ने सांबा में जिला कैपेक्स बजट परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

**दिव्य भारत संवाददाता**

सांबा। जिला विकास आयुक्त (डीडीसी) राजेश शर्मा ने आज डीसी कार्यालय परिसर के मीटिंग हॉल में विभिन्न क्षेत्रों में जिला कैपेक्स बजट के तहत किए गए कार्यों की प्रगति का आकलन करने के लिए एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य और संबद्ध सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा निष्पादित की जा रही चल रही परियोजनाओं की स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया गया।

परियोजना निष्पादन में बाधा डालने वाली चुनौतियों की पहचान करने और उन्हें हल करने के लिए विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें सुचारू और समय पर पूरा करने पर जोर दिया गया।

क्षेत्रवार प्रगति की समीक्षा करते हुए, डीडीसी ने परियोजना समयसीमा का पालन करने और उच्च कार्यान्वयन मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बाधाओं से सक्रिय रूप से निपटने और जनता को अधिकतम विकासात्मक लाभ प्रदान करने के लिए निष्पादन प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया।

कुशल संसाधन प्रबंधन और अंतर-विभागीय समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, डीडीसी ने सभी हितधारकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढाँचा और सार्वजनिक सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहने का आग्रह किया।

बैठक में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त चंपा देवी, मुख्य योजना अधिकारी कस्तूरी लाल, सहायक आयुक्त विकास, सीईओ, सीएमओ, कार्यकारी अभियंता, बीडीओ और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

## राष्ट्रपति ने ओड़िया कवि रमाकांत रथ के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रख्यात ओड़िया कवि रमाकांत रथ के निधन पर शोक व्यक्त किया है। शोक संदेश में उन्होंने कहा कि ओड़िया साहित्य में अपना चिरस्मरणीय योगदान करके रथ ने अखिल भारतीय साहित्य को समृद्ध किया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्रख्यात कवि रमाकांत रथ के निधन के बारे में जानकर उन्हें बहुत दुख हुआ है।

रमाकांत रथ भारतीय साहित्य जगत की एक प्रमुख विभूति थे। उन्हें पदम-भूषण सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। ओड़िया साहित्य में अपने चिरस्मरणीय योगदान से उन्होंने अखिल भारतीय साहित्य को समृद्ध किया है। वे उनके शोक संतप्त परिवारजनों और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रसिद्ध उड़िया कवि और आधुनिकतावादी साहित्यिकार पद्म भूषण से सम्मानित रमाकांत रथ का 90 वर्ष की आयु में भुवेश्वर में निधन गया।

# प्रख्यात ओडिया कवि रमाकांत रथ का निधन, साहित्य अकादमी ने जताया शोक

नई दिल्ली, (हि.स.)। पद्म भूषण से अलंकृत प्रख्यात ओडिया कवि और साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष रमाकांत रथ का रविवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने भुवनेश्वर स्थित आवास पर अंतिम सांस ली। वे 91 वर्ष के थे। साहित्य में अपने योगदान के अलावा रथ ने ओडिशा राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने विभिन्न विभागों में सचिव और ओडिशा के मुख्य सचिव के रूप में कार्य किया।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने रमाकांत रथ के निधन पर गहरा दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने उन्हें भारतीय साहित्य का एक महान कवि बताते हुए उनके योगदान को याद किया। मांझी ने एक्स पोस्ट पर अपने शोक संदेश में कहा कि पद्म भूषण से सम्मानित पूर्व नौकरशाह और साहित्यकार रमाकांत रथ के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। उन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवा के साथ-साथ साहित्य की दुनिया में उनके योगदान के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ होगा। मैं भगवान जगन्नाथ से दिवंगत आत्मा की चिर शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

साहित्य अकादमी ने अपने महत्तर सदस्य, पूर्व अध्यक्ष एवं ओडिया के प्रख्यात कवि रथ के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। साहित्य अकादमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव ने अपने शोक संदेश में कहा कि

यह जानकर दुख हुआ कि प्रतिष्ठित ओडिया कवि एवं विद्वान रमाकांत रथ अब हमारे बीच नहीं रहे। उनकी कविताओं ने अनगिनत पाठकों को गहराई से आत्मनिरीक्षण करने, जीवन, मृत्यु और भौतिक दुनिया से परे के जीवन अस्तित्व के बारे में जानने के साथ ही उन्हें अपनी सांस्कृतिक जड़ों को फिर से खोजने में सक्षम बनाया। श्री राधा और सप्तम ऋतु जैसी उनकी प्रसिद्ध रचनाएं हमेशा हमारे साथ रहेंगी और पाठकों को आत्म-खोज की उनकी यात्रा में मदद करती रहेंगी। रथ का अंतिम संस्कार सोमवार को राजकीय सम्मान के साथ पुरी स्थित श्मशानघाट स्वर्गद्वार पर किया जाएगा।

रमाकांत रथ ओडिया कविता में विशिष्ट स्थान रखते थे, जो अपने आधुनिकतावादी और दार्शनिक दृष्टिकोण के लिए जाने जाते थे। उनके प्रशंसित कविता संग्रहों में केते दिनारा (1962), संदिग्ध मृगया (1971), सप्तम ऋतु (1977), सचित्रा अंधारा (1982), श्री राधा (1985) और श्रेष्ठ कविता (1992) शामिल हैं। उनकी महान कृति, श्री राधा ने उन्हें 1992 में प्रतिष्ठित सरस्वती सम्मान दिलाया।

उनकी रचनाओं का अंग्रेजी और कई भारतीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है। कई साहित्यिक पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता रथ को 1977 में साहित्य अकादमी पुरस्कार, 1984 में सरला पुरस्कार, 1990 में बिशुवा सम्मान और 2009 में साहित्य अकादमी की महत्तर सदस्यता से सम्मानित किया गया।

साहित्य में उनके उत्कृष्ट योगदान के सम्मान में, उन्हें 2006 में भारत के तीसरे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

साहित्य अकादमी सोमवार को अपने सभी कार्यालयों में शोक सभा कर दोपहर के बाद उनके सम्मान में अपने सभी कार्यालय बंद रखेगी।

*ज़िला विकास आयुक्त ने सांबा में जिला कैपेक्स बजट परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।*

# मुख्य सचिव ने बेहतर सेवा वितरण के लिए सीएससी का लाभ उठाने के उपायों की समीक्षा की

**दिव्य भारत संवाददाता**

जम्मू। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने जम्मू-कश्मीर में निर्बाध सरकार-से-नागरिक (जी2सी) और सरकार-से-व्यवसाय (जी2बी) सेवाएं प्रदान करने में सामुदायिक सेवा केंद्रों (सीएससी) की क्षमता का पता लगाने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में लोगों, विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सीएससी मंच के साथ सरकारी सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला को एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

ऑनलाइन सेवाओं के व्यापक दायरे और उनकी सामर्थ्य को देखते हुए, मुख्य सचिव ने राजस्व, आवास और शहरी विकास (एचएंडयूडीडी), कृषि, ग्रामीण विकास (आरडीडी), श्रम और रोजगार, बिजली विकास (पीडीडी), जल शक्ति, उद्योग और वाणिज्य, और भवन और अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड (बीओसीडब्ल्यूडब्ल्यूबी) सहित प्रमुख विभागों की सेवाओं को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस एकीकरण से न केवल सेवा वितरण में वृद्धि होगी, बल्कि सीएससी ऑपरेटरों की आय में भी वृद्धि होगी।

डुल्लू ने सीएससी की 'डिजिदोस्त' सुविधा के महत्व को रेखांकित किया, जिससे नागरिक अपने घरों से विनियमित दरों पर सरकारी सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

उन्होंने विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) को सीएससी ऑपरेटरों की क्षमता बढ़ाने का निर्देश दिया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे नागरिकों और व्यवसायों दोनों को कुशलतापूर्वक सेवा प्रदान करें। उन्होंने एसपीवी को लेनदेन और सेवा वितरण की बेहतर निगरानी के लिए आईटी विभाग को डैशबोर्ड एक्सेस प्रदान करने का भी निर्देश दिया।

सीएससी की भूमिका को और मजबूत करने के लिए, मुख्य सचिव ने बैंकों से इन केंद्रों को बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट (बीसी) या अनबैंक्ड रूरल सेंटर (यूआरसी) में बदलने की व्यवहार्यता का पता लगाने का आग्रह किया, क्योंकि जम्मू-कश्मीर में उनकी व्यापक उपस्थिति और बुनियादी ढांचा है।

उन्होंने सरकारी कार्यालयों में नए टचपॉइंट्स की स्थापना और वहां उनके सुचारू संचालन में आने वाली चुनौतियों के बारे में भी जानकारी ली। बैठक के दौरान, कृषि उत्पादन विभाग (एपीडी) के प्रधान सचिव, शैलेंद्र कुमार ने प्रत्येक ब्लॉक में मॉडल सीएससी बनाने का प्रस्ताव रखा, जो कई सेवाओं के लिए वन-स्टॉप सेंटर के रूप में काम करेंगे, जिससे पूरे क्षेत्र में इसका अनुकरण किया जा सके। उन्होंने निर्बाध और कुशल सेवाएं प्रदान करने के लिए आउटरीच का विस्तार करने और सीएससी को अन्य सरकारी पोर्टलों के साथ एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया।

वित्त के प्रधान सचिव, संतोष डी. वैद्य ने नागरिकों की साख की सुरक्षा के लिए सीएससी में डेटा गोपनीयता उपायों की ऑडिटिंग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सीएससी को व्यापक श्रेणी की सेवाएं देने में सक्षम व्यवहार्य व्यावसायिक उपक्रमों के रूप में प्रदर्शित करने के लिए आयोग संरचनाओं के आकलन और सफलता की कहानियों के दस्तावेजीकरण का भी आह्वान किया।

आईटी विभाग के आयुक्त सचिव सौरभ भगत ने डिजिटल इंडिया पहल के तहत ई-गवर्नेंस और व्यावसायिक सेवाओं के लिए अंतिम मील पहुंच बिंदु के रूप में सीएससी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर में 18,618 सीएससी में से 12,602 वर्तमान में सक्रिय हैं। प्रमुख इसके अतिरिक्त, पीएम सूर्य घर, विश्वकर्मा योजना, आयुष्मान भारत, पीएम-किसान और पीएमएफबीवाई जैसी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में सीएससी की भूमिका पर चर्चा की गई। बैठक का समापन सीएससी की क्षमता को अधिकतम करने और केंद्र शासित प्रदेश के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में शासन और सेवा वितरण में उनके योगदान को बढ़ाने के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप के आह्वान के साथ हुआ।

# सांबा 11 ने सांबा प्रीमियर टी-20 कप का फाइनल जीता

**दिव्य भारत संवाददाता**

सांबा। जिला प्रशासन सांबा और आबकारी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सांबा प्रीमियर टी-20 कप का बहुप्रतीक्षित फाइनल मैच रानी सुचेत सिंह खेल स्टेडियम में सांबा 11 की जिला प्रशासन सांबा पर शानदार जीत के साथ संपन्न हुआ। जिला मजिस्ट्रेट राजेश शर्मा और आबकारी एवं कराधान अधिकारी अनिल चंदन की मौजूदगी में मैच की शुरूआत रोमांचक अंदाज में हुई। दोनों टीमों ने शानदार कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया, जिससे माहौल ऊर्जा से भर गया और मुकाबला रोमांचक हो गया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए सांबा 11 ने 20 ओवर में 163/8 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। जवाब में कप्तान अभिषेक संब्याल की अगुआई में जिला प्रशासन सांबा ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन निर्धारित ओवर में 141/9 रन ही बना सकी और लक्ष्य से 22 रन पीछे रह गई।

सांबा 11 के अंकू ने अपने शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता। उन्होंने 26 गेंदों पर 49 रन बनाए और 4 ओवर में 39 रन देकर 1 विकेट लिया। मैच के बाद डीसी सांबा ने खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया और उनके शानदार प्रदर्शन की प्रशंसा की। बाद में डीएम सांबा ने खिलाड़ियों और दर्शकों को संबोधित करते हुए ड्रग्स को न कहें का कड़ा संदेश दिया। उन्होंने सभी को फिटनेस और खेल पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया और स्वस्थ और प्रेरित रहने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आश्वासन दिया कि सकारात्मक और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए जिले में नियमित अंतराल पर ऐसे टूर्नामेंट आयोजित किए जाएंगे। मैच में तहसीलदार, डीआईओ, पूर्व क्रिकेटर सुरिंदर बागल सहित अन्य संबंधित अधिकारी और स्थानीय दर्शक भी मौजूद थे, जिससे कार्यक्रम का माहौल और भी जीवंत हो गया।

## उपायुक्त ने डेडपेठ में केन्द्रीय विद्यालय स्कूल के लिए प्रस्तावित भवन का निरीक्षण किया

**दिव्य भारत संवाददाता**

किश्तवाड़। उपायुक्त (डीसी) राजेश कुमार शवन ने आज डेडपेठ में केवी स्कूल के अस्थायी आवास के लिए प्रस्तावित निजी भवन का निरीक्षण किया। डीसी ने निजी भवन पर चल रहे काम का जायजा लिया और सुनिश्चित किया कि स्कूल चलाने के लिए सभी आवश्यक आवश्यकताएं पूरी हों। यह निरीक्षण आगामी अप्रैल सत्र के लिए कक्षाएं शुरू करने की तैयारियों का हिस्सा था। डीसी ने समय पर कक्षाएं शुरू करने के लिए तेज गति से आगे बढ़ने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए। डीसी ने जिले के दूरदराज के इलाके मुगल मैदान का भी दौरा किया, जहां उन्होंने स्थानीय निवासियों से बातचीत की। डेडपेठ से एक प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र में जल निकासी में सुधार की मांग को लेकर डीसी से संपर्क किया। डीसी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उनकी चिंताओं का तुरंत समाधान किया जाएगा। इसके अलावा, पंचायत रहलथल के एक प्रतिनिधिमंडल ने मनरेगा उपस्थिति से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए डीसी से मुलाकात की। डीसी ने इस बात पर जोर दिया कि मनरेगा के तहत भुगतान केवल उन लोगों को किया जाएगा जो सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं, उन्होंने योजना के कार्यान्वयन में जवाबदेही और पारदर्शिता के महत्व को रेखांकित किया।

*सांबा 11 ने सांबा प्रीमियर टी-20 कप का फाइनल जीता।*

Page-06_Layout 1 3/17/2025 5:05 AM Page 1



# अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 9 महीने से फंसी सुनीता विलियम्स धरती पर वापस लौटेंगी

फ्लोरिडा, (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में लगभग नौ माह से फंसे सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को घर वापस लाने की योजना के तहत एक नए चालक दल को लेकर स्पेसएक्स रॉकेट अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंच गया है। अंतरिक्ष यात्रियों के आईएसएस पर केवल आठ दिन रहने की उम्मीद थी, लेकिन प्रायोगिक अंतरिक्ष यान में तकनीकी समस्याओं के कारण वे नौ महीने से अधिक समय से वहां फंसे हैं।

नासा के मुताबिक स्पेसएक्स क्रू-10 मिशन के चार चालक दल के सदस्यों को शुक्रवार शाम 7:03 बजे पूर्वी समय पर फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर के लॉन्च कॉम्प्लेक्स 39ए से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना किया गया। स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट ने नासा के अंतरिक्ष यात्री ऐनी मैकक्लेन और निकोल एयर्स, जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएक्सए) के अंतरिक्ष यात्री ताकुया ओनिशी और रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री किरिल पेसकोव के साथ ड्रैगन अंतरिक्ष यान को कक्षा में पहुंचाया।

लंबे इंतजार के बाद 14 मार्च को इलॉन मस्क की स्पेस एजेंसी स्पेसएक्स का रॉकेट फॉल्कन 9 भारतीय समयानुसार करीब 4:30 बजे लॉन्च किया गया था। नासा के अनुसार अंतरिक्ष यान ने 15 मार्च को लगभग 11:30 बजे स्टेशन के हार्मनी मॉड्यूल के आगे वाले पोर्ट पर स्वायत्त रूप से डॉक किया। इसके तुरंत बाद चालक दल कक्षा में स्थित प्रयोगशाला में लंबे समय तक रहने के लिए शामिल हो गए। स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान का हैच 16 मार्च को सुबह 1:35 बजे खुला और क्रू-10 के सदस्य अपने उत्साहित एक्सपीडिशन 72 चालक दल के बाकी सदस्यों के साथ अंतरिक्ष स्टेशन में प्रवेश कर गए। नासा ने 'एक्स' पर लिखा, अंतरिक्ष स्टेशन पर डॉकिंग के कुछ ही समय बाद क्रू-10 का स्वागत कक्षीय सूर्योदय द्वारा किया गया। अंतरिक्ष में आपका स्वागत है, ऐनी, निकोल, टाकुया और किरिल।

स्पेस स्टेशन में 9 महीने से फंसी भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स चार दिन बाद यानी 19 मार्च को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से धरती पर वापसी करेंगी। सुनीता और उनके साथ गए बुच विलमोर नौ महीने से आईएसएस पर फंसे हैं।

उनके स्पेसक्राफ्ट में तकनीकी खराबी आ गई थी, जिसकी वजह से उनकी वापसी तय समय पर नहीं हो पाई थी। नए दल में नासा की ऐनी मैकक्लेन और निकोल अयर्स, जापानी अंतरिक्ष एजेंसी जेएक्सए के टकुया ओनिशी और रूसी स्पेस एजेंसी रोस्कोस्मोस के कोस्मोनॉट किरिल पेस्कोव शामिल हैं। ये चारों अंतरिक्ष यात्री आईएसएस में अब सुनीता विलियम्स, बुच विलमोर और क्रू-9 के दो अन्य सदस्यों की जगह लेंगे।

फ्लोरिडा में आये तूफान के बाद एक धवस्त घर का मलबा पड़ा नजर आ रहा।

बुखारेस्ट में एक प्रदर्शन के दौरान लोग रोमानियाई और यूरोपीय यूनियन के झंडे लहराते हुए।

# उत्तर मैसिडोनिया के नाइट क्लब में भीषण आग, 59 की मौत, 155 घायल

स्कोप्जे, (हि.स.)। उत्तर मैसिडोनिया के पूर्वी शहर कोचानी में रविवार तड़के एक नाइट क्लब में भयानक आग लगने से 59 लोगों की मौत हो गई, जबकि 155 लोग घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, क्लब में चल रहे एक हिप-हॉप कॉन्सर्ट के दौरान स्टेज पर इस्तेमाल की गई आतिशबाजी से यह हादसा हुआ।

यह घटना रविवार तड़के करीब 3 बजे क्लब पल्स में हुई, जब वहां मशहूर हिप-हॉप जोड़ी डीएनके का लाइव कॉन्सर्ट चल रहा था। क्लब में 1,000 से अधिक युवा प्रशंसक मौजूद थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शुरूआत में लोगों को आग का अंदाजा नहीं था, लेकिन कुछ ही क्षणों में गाढ़े धुएं से क्लब भर गया। एक युवती, जो घटना के समय क्लब में मौजूद थी, ने बताया, पहले हमें यकीन नहीं हुआ कि आग लगी है, लेकिन जब लोगों में अफरातफरी मची और भगदड़ शुरू हुई, तब हमें स्थिति की गंभीरता का एहसास हुआ।

उत्तर मैसिडोनिया के गृह मंत्री पांसे तोस्कोवस्की के अनुसार, क्लब में स्टेज पर आतिशबाजी का प्रयोग किया गया था। उन्होंने बताया, चिंगारी छत तक पहुंच गई, जो ज्वलनशील सामग्री से बनी थी, और देखते ही देखते आग पूरे क्लब में फैल गई।

दमकलकर्मी और आपातकालीन सेवाएं तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत कार्य शुरू किया। कई लोगों को सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की गई, लेकिन कई लोग दम घुटने और झुलसने से बच नहीं सके।

गृह मंत्रालय के अनुसार, अभी तक 59 मृतकों में से 35 की पहचान हो चुकी है। मृतकों में 31 लोग कोचानी और 4 लोग स्टीप शहर के रहने वाले थे।घायलों में 18 की हालत नाजुक बताई जा रही है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए अन्य यूरोपीय देशों में भेजने की योजना बनाई जा रही है।

इस घटना की जांच शुरू कर दी गई है और सरकार ने चार लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। हालांकि, इन लोगों की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

उत्तर मैसिडोनिया के प्रधानमंत्री ह्रिस्तियान मिकोस्की ने भी घटनास्थल का दौरा किया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। सरकार इस त्रासदी के लिए ज़िम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दे रही है।

# अब नेपाल के प्रसिद्ध मुक्तिनाथ मंदिर में भारतीय श्रद्धालु यूपीआई से दे सकेंगे दान

काठमांडू, (हि.स.)। भारतीय श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मुक्तिनाथ मंदिर में अब भारतीय ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम भीम यूपीआई से दान दक्षिणा दिए जाने की व्यवस्था की गई है। नेपाल राष्ट्र बैंक के गवर्नर महा प्रसाद अधिकारी ने मुक्तिनाथ मंदिर के प्रांगण में इस सुविधा का अनावरण किया है। नेपाल के फोन पे के साथ समझौता होने के बाद इस सुविधा की शुरूआत हो चुकी है।

अभी तक काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर में भारत के किसी भी ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम से दान देने या विशेष पूजा का शुल्क जमा करने की सुविधा थी, लेकिन अब यह सुविधा मुक्तिनाथ मंदिर में भी शुरू की गई है। राष्ट्र बैंक के गवर्नर अधिकारी ने इसकी शुरूआत करते हुए कहा कि अब भारतीय श्रद्धालुओं को इस मंदिर में आने के बाद कैश से दान या दक्षिणा देने के बजाए क्यू आर कोड के जरिए भुगतान कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर के बाद भारतीय श्रद्धालु मुक्तिनाथ मंदिर जाते हैं। अधिकारी ने कहा कि नेपाल और भारत के बीच ऑनलाइन पेमेंट की सुविधा होने से अब भारतीय पर्यटकों और श्रद्धालुओं को काफी आसानी हो गई है।

भारत के रिजर्व बैंक ने नेपाल में सिर्फ 100 या उससे कम के नोट ही कानूनी रूप से वैध किये हैं। इस कारण भारतीय यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता था। इसके अलावा नेपाल आने वाले भारतीय पर्यटक अपने साथ में 25 हजार से अधिक रुपए कैश नहीं रख सकते हैं। इस कारण भी भारतीय नागरिकों को काफी दिक्कतें आती थी।

# यूएन प्रमुख गुटेरेस का बांग्लादेश दौरा, रोहिंग्या शरणार्थियों की स्थिति पर जताई चिंता

ढाका, (हि.स.)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने शनिवार को बांग्लादेश में रोहिंग्या शरणार्थियों की विकट स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से वित्तीय और राजनीतिक सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि रोहिंग्या शरणार्थियों और उन्हें शरण देने वाले बांग्लादेशी समुदायों को समर्थन नहीं मिलने की स्थिति में मानवीय संकट उत्पन्न हो सकता है।

गुटेरेस चार दिवसीय बांग्लादेश यात्रा पर शुक्रवार को ढाका पहुंचे थे। आज उन्होंने कॉक्स बाजार का दौरा किया, जहां लाखों रोहिंग्या शरणार्थी अस्थायी शिविरों में कठिन परिस्थितियों में जीवन बिता रहे हैं। उन्होंने वहां की स्थिति को नजदीक से देखा और इस संकट के समाधान के लिए वैश्विक समर्थन की आवश्यकता पर बल दिया।

गुटेरेस ने अमेरिका और यूरोपीय देशों द्वारा बांग्लादेश को दी जाने वाली मानवीय सहायता में कटौती को अपराध करार दिया। उन्होंने कहा कि इन कटौतियों के चलते पहले से ही कठिन हालात झेल रहे रोहिंग्या शरणार्थियों का भविष्य और अधिक अनिश्चित हो गया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वे इस संकट को नजरअंदाज न करें और शरणार्थियों के लिए वित्तीय और राजनीतिक समर्थन सुनिश्चित करें।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने बांग्लादेश की सरकार और जनता की असाधारण उदारता की सराहना की, जिन्होंने भारी सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों के बावजूद रोहिंग्या शरणार्थियों को शरण दी।

गुटेरेस ने आश्वासन दिया कि संयुक्त राष्ट्र रोहिंग्या संकट के स्थायी समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शरणार्थियों की स्वैच्छिक, सुरक्षित, गरिमापूर्ण और स्थायी वापसी सुनिश्चित करने के लिए म्यांमार में अनुकूल परिस्थितियां बनाई जानी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि संयुक्त राष्ट्र सदस्य राष्ट्र रोहिंग्या मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों की स्थिति पर एक उच्च-स्तरीय सम्मेलन आयोजित करने की योजना बना रहे हैं, जिससे इस संकट का दीर्घकालिक समाधान निकाला जा सके।

गुटेरेस ने कहा कि इस बार उन्होंने बांग्लादेश का दौरा रोहिंग्या शरणार्थियों और उन्हें शरण देने वाले बांग्लादेशी नागरिकों के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए किया है। इससे पहले, वे 2018 में कॉक्स बाजार गए थे और तब भी उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समर्थन की अपील की थी।

बांग्लादेश सरकार के विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन ने भी इस संयुक्त प्रेस वार्ता में हिस्सा लिया और रोहिंग्या शरणार्थी संकट पर चर्चा की। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के इस दौरे से उम्मीद की जा रही है कि रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए वैश्विक स्तर पर अधिक सहायता जुटाने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

## नेपाली छात्र ने स्कूल में दिया ऐसा भाषण, लोग हिटलर से कर रहे तुलना

काठमांडू। नेपाल के एक छात्र की स्पीच सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। स्कूल में दी गई इस स्पीच में छात्र ने नेपाल के विकास और उज्ज्वल भविष्य की बात की, लेकिन जिस अंदाज में उसे भाषण दिया, वह देख लोगों को हैरान रह गए। 2 मिनट 19 सेकंड का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर हो रहा है। इस पर सैकड़ों कमेंट आ चुके हैं। कई लोग इस छात्र के जोश और भाषण की तारीफ कर रहे हैं, वहीं कुछ यूजर्स उसकी तुलना एडॉल्फ हिटलर से कर रहे हैं।

इस छात्र का नाम अभिस्कार राउत बताया जा रहा है। यह स्कूल के कार्यक्रम में आए लोगों के सामने भाषण देता है। वह हेड बॉय के रूप में अपना परिचय देते हुए अपनी स्पीच नेपाल की स्थिति से शुरू करता है फिर वह नेपाल के इतिहास और गौरव की बात करता है। वीडियो में वह दमदार अंदाज में कहता है कि मैं यहां एक नए नेपाल के निर्माण का सपना लेकर खड़ा हूं। मेरे अंदर जुनून की आग है, लेकिन मेरा दिल भारी है, क्योंकि यह सपना दूर होता दिख रहा है। जैसे-जैसे भाषण आगे बढ़ा, उसकी आवाज और इमोशन और हाई हो गया।

सोशल मीडिया पर ये वीडियो वायरल होने के बाद एक यूजर ने लिखा कि हिटलर पुनर्जन्म ले चुका है। दूसरे ने कहा वाइब्स बिल्कुल वही है। वहीं किसी ने लिखा कि शानदार भाषण, लेकिन यह हिटलर के भाषण के अंदाज जैसा है। हालांकि, कई यूजर्स ने छात्र के विचारों का समर्थन किया। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि उसका भाषण हिटलर से नहीं, बल्कि चार्ली चैपलिन की मशहूर फिल्म से प्रेरित है।

# यमन में हूती विद्रोहियों पर अमेरिकी हमले में 22 लोगों की मौत, ट्रम्प ने दी कड़ी चेतावनी

वॉशिंगटन, (हि.स.)। यमन में हूती विद्रोहियों पर अमेरिका ने शनिवार को बड़ा हमला किया, जिसमें अब तक 22 लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हूतियों के खिलाफ निर्णायक सैन्य कार्रवाई का आदेश दिया है। ट्रम्प ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हूती विद्रोही हमले जारी रखते हैं, तो उनकी स्थिति नरक से भी बदतर हो जाएगी।

अमेरिका ने शनिवार को यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों पर बड़ा हमला किया, जिसमें अब तक 22 लोगों की मौत हुई है। हूतियों के स्वास्थ्य और पर्यावरण मंत्रालय ने साबा समाचार एजेंसी पर एक बयान में कहा कि नौ नागरिक मारे गए और नौ अन्य घायल हैं, इनमें अधिकांश हालत गंभीर है।

ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद मिडिल ईस्ट में यह सबसे बड़ा सैन्य अभियान है। लाल सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाने के कारण राष्ट्रपति ट्रम्प ने हूतियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का आदेश दिया है।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लिखा, ईरान से आर्थिक समर्थन पाने वाले हूतियों ने अमेरिकी विमानों पर मिसाइलें दागी हैं और हमारे सैनिकों और सहयोगियों को निशाना बनाया है। समुद्री डकैती, हिंसा और आतंक से अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है और लोगों की जान खतरे में पड़ी है।

उल्लेखनीय है कि हूती विद्रोहियों ने नवंबर 2023 से अब तक शिपिंग पर 100 से अधिक हमले किए, जिसे रोकने के लिए अमेरिकी सेना को कई अभियान चलाने पड़े।पिछले राष्ट्रपति बाइडेन ने हूतियों के खिलाफ सीमित कार्रवाई की थी लेकिन अब ट्रम्प ने अधिक आक्रामक रुख अपनाने की मंजूरी दी है।

हूती यमन के अल्पसंख्यक शिया जैदी समुदाय का हथियारबंद समूह है, जिसने पिछले दशक में यमन के ज्यादातर हिस्से पर नियंत्रण कर लिया है। हूती गाजा में हमास-इजराइल संघर्ष में फिलिस्तीनियों के प्रति एकजुटता दिखाने की कोशिश कर रहा है।

यमन की राजधानी सना में हूती विद्रोहियों पर अमेरिकी सेना के हमले के बाद उठता हूआ धुआं।

# पाकिस्तान में सीपीईसी मार्ग पर आतंकी हमला, सेना को हुआ भारी नुकसान

पेशावर। दक्षिणी बलूचिस्तान के तुर्बत में डी बलूच के पास चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) मार्ग पर पाकिस्तानी सेना के काफिले के वाहन को निशाना बनाकर विस्फोट किया गया। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक इस हमले में सुरक्षा बलों को नुकसान हुआ है। माना जा रहा है कि यह आतंकवादी हमला पाकिस्तान की कमर तोड़ने के लिए किया गया था, क्योंकि सीपीईसी पाकिस्तान के लिए काफी अहम है, इस गलियारे के भरोसे ही चीन और पाकिस्तान के बीच आर्थिक गतिविधि होती हैं। अधिकारियों ने अभी तक इस हमले के बारे में जानकारी नहीं दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह 24 घंटे के अंदर बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना पर दूसरा हमला है। एक दिन पहले हरनई में बम निरोधक दस्ते के सदस्यों को निशाना बनाकर विस्फोट किया गया था, जब वे रेलवे ट्रैक को साफ कर रहे थे। उससे पहले जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को भी हाईजैक किया गया था। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने सीपीईसी परियोजनाओं पर कई हमले किए हैं। इन हमलों का उद्देश्य चीन को पाकिस्तान में अपनी आर्थिक गतिविधियों को रोकने के लिए मजबूर करना है। पाकिस्तानी आतंकवादी समूहों ने पाकिस्तान में काम कर रहे चीनी नागरिकों पर भी हमले किए हैं। इन हमलों का उद्देश्य चीन को पाकिस्तान में अपने नागरिकों की सुरक्षा के बारे में चिंतित करना है।

पाकिस्तानी आतंकवादी समूहों चीन को एक विदेशी शक्ति के रूप में देखते हैं जो पाकिस्तान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है। अन्य समूह चीन को पाकिस्तान में अपनी आर्थिक गतिविधियों के लिए निशाना बना रहे हैं। जब 2015 में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की घोषणा की गई थी, तो इसे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए बदलाव माना गया था। उस समय, नीति निमार्ताओं और मीडिया ने इसे आधुनिक बुनियादी ढांचे, औद्योगीकरण और आर्थिक विकास के लिए देश के सुनहरे गलियारे के रूप में देखा था। करीब एक दशक आगे और सीपीईसी की वास्तविकता बिल्कुल अलग है। समृद्धि के युग की शुरूआत करने के बजाय, इसने पाकिस्तान को एक आर्थिक जागीरदार राज्य में बदल दिया है, जो चीनी पूंजी पर निर्भर है और बीजिंग के रणनीतिक हितों के अधीन है।

सीपीईसी का प्रारंभिक वादा आकर्षक था। इसमें 46 बिलियन डॉलर का निवेश करने का वादा किया गया था, जो बाद में बढ़कर 65 बिलियन डॉलर हो गया। इसका उद्देश्य पाकिस्तान के बुनियादी ढांचे में सुधार करना है, ऊर्जा की कमी को पूरा करना और विशेष आर्थिक क्षेत्र बनाना था। यह विजन बहुत बड़ा था, जिसमें सड़कें, रेलवे और बंदरगाह ग्वादर को चीन के झिंजियांग प्रांत से जोड़ते थे। लेकिन इन भव्य परियोजनाओं के बारीक अक्षरों में ऐसी शर्तें छिपी हुई थीं जो पाकिस्तान को वित्तीय दासता में बांधती थीं। तथाकथित निवेश सीधे अनुदान या सहायता नहीं थे बल्कि ऋण थे। भारी, अक्षम्य और लगातार अस्थिर. पुनर्भुगतान का बोझ पाकिस्तान पर असमान रूप से पड़ा, जिसमें 80 फीसदी वित्तीय जोखिम सीधे इस्लामाबाद से जुड़ा था।

Page-07_Layout 1 3/17/2025 5:37 AM Page 1



# सचिन ने आज ही के दिन बनाया था शतकों का महारिकॉर्ड, तोड़ पाना है मुश्किल

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट में विश्व के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। उन्होंने अपने क्रिकेट करियर में अनेक रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। उनके कई रिकॉर्ड ऐसे हैं, जिन्हें अब तक कोई नहीं तोड़ सका है। उन्हीं में से एक रिकॉर्ड ऐसा है, जिसे शायद ही कोई बल्लेबाज तोड़ पाए। हम बात कर रहे हैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सौ शतकों के रिकॉर्ड की। महान बल्लेबाज ने यह उपलब्धि आज ही के दिन साल 2012 में हासिल की थी। आज उनके इस रिकॉर्ड को 13 साल हो गए हैं और उनका यह महा रिकॉर्ड अभी भी कायम है।

बांग्लादेश के खिलाफ हासिल की थी उपलब्धि मास्टर ब्लास्टर के नाम से मशहूर सचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक पूरे करने की यह उपलब्धि बांग्लादेश के खिलाफ एशिया कप के मैच के दौरान हासिल की थी। यह मैच 16 मार्च, 2012 को मीरपुर में खेला गया था। इस मैच में सचिन ने 147 गेंदों पर 114 रन बनाए थे। इससे मैच में भारतीय टीम पांच विकेट पर 289 रन बनाने में सफल रही थी। हालांकि, भारत यह मैच पांच विकेट से हार गया था।

बीसीसीआई ने किया यादभारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सचिन की इस उपलब्धि को याद किया। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, शतकों का शतक! इस दिन 2012 में महान सचिन ने अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय शतक बनाया था। यह उपलब्धि हासिल करने वाले वे एकमात्र क्रिकेटर हैं।

कोहली कर रहे पीछासचिन विश्व के एकमात्र बल्लेबाज हैं जिनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर में टेस्ट में 51 और वनडे में 49 शतक लगाए हैं। सचिन के बाद मौजूदा भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। कोहली अब तक अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 82 शतक लगा चुके हैं, लेकिन अभी भी वह सचिन से काफी पीछे हैं। हालांकि, विराट वनडे में शतक लगाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ चुके हैं। कोहली वनडे में 51 शतक लगा चुके हैं, जबकि सचिन के वनडे में 49 शतक हैं, लेकिन ओवरऑल कोहली अभी सचिन से बहुत पीछे हैं। कोहली के वनडे में 51, टेस्ट में 30 और टी20 में एक शतक है। कोहली टी20 अंतरराष्ट्रीय से रिटायरमेंट ले चुके हैं। वनडे और टेस्ट फार्मेट में खेल रहे हैं। फिलहाल कोहली इस समय 36 साल के हैं। अगर वह आने वाले सालों में भारतीय टीम के लिए लंबा खेलते हैं तो उनके पास यह रिकॉर्ड तोड़ना का मौका है।

नवंबर 2013 में लिया था संन्यासमहान बल्लेबाज सचिन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिए लंबा समय हो चुका है। सचिन ने 16 नवंबर 2013 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 463 वनडे मैच खेले और 18426 रन बनाए थे। वनडे में उन्होंने 49 शतक और 96 अर्धशतक लगाए। इसके अलावा 200 टेस्ट मैच खेलते हुए सचिन ने 15921 रन बनाए। टेस्ट में अनके बल्ले से 51 शतक और 68 अर्धशतक निकले। सचिन ने एक मात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला, जिसमें उन्होंने 10 रन बनाए।

*लीवरपूल में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलती हुई एवरटोन और वेस्ट हेम यूनाइटेड की टीमें।*

*चीन में जापान की हयाता हिना डब्यलूटीटी चैम्पियंस में रिटर्न शॉट खेलती हुई।*

## सचिवालय क्रिकेट क्लब चैंपियंस ट्रॉफी: सचिवालय पैंथर्स ने जीता पहला मैच

देहरादून, (हि.स.)। रायपुर स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज क्रिकेट मैदान पर सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का उद्घाटन अपर सचिव अतर सिंह चौहान ने किया। उद्घाटन मैच सचिवालय पैंथर्स और सचिवालय रॉयल स्ट्राइकर्स के बीच खेला गया।जिसमें सचिवालय पैंथर्स ने सचिवालय रॉयल स्ट्राइकर्स को हरा दिया। सचिवालय पैंथर के जितेंद्र सिंह मैन ऑफ द मैच चुने गए। चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सचिवालय पैंथर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 188 रन बनाए। इसके जवाब में सचिवालय रॉयल स्ट्राइकर्स की टीम 101 रन ही बना सकी। सचिवालय पैंथर की ओर से जितेंद्र सिंह ने 58 बनाए और मैन ऑफ द मैच रहे। सचिवालय रॉयल स्ट्राइकर के अमित रावत फाइटर ऑफ द मैच रहे। एक अन्य मैच सचिवालय हरिकेन व सचिवालय क्लासिक के बीच खेला गया। सचिवालय हरिकेन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दिवाकर पंत के नाबाद 105 रन व सुनील मेंदोला के नाबाद 66 रनों की बदौलत 20 ओवर में 232 रन का लक्ष्य रखा, लक्ष्य का पीछा करते हुए सचिवालय क्लासिक की टीम 12.5 ओवर में 51 रन पर ऑल आउट हो गई। सचिवालय हरिकेन 151 रनों से विजयी रही।

# सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का भव्य आगाज

रायपुर, (हि.स.)। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज क्रिकेट मैदान में रविवार को सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का शुभारंभ हुआ। टूर्नामेंट का उद्घाटन उत्तराखंड शासन के अपर सचिव अतर सिंह चौहान ने किया। उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में संयुक्त सचिव विक्रम सिंह राणा, नंदन सिंह, उत्तराखंड सचिवालय संघ के अध्यक्ष सुनील लखेड़ा, महासचिव राकेश जोशी, उपाध्यक्ष जीतमणि पैन्यूली एवं भास्कर रावत मौजूद रहे। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला सचिवालय पैंथर्स और सचिवालय रॉयल स्ट्राइकर्स के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सचिवालय पैंथर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 188 रन बनाए। टीम के लिए जितेंद्र सिंह ने शानदार 58 रनों की पारी खेली और उन्हें 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल स्ट्राइकर्स की टीम 101 रन पर सिमट गई। टीम के अमित रावत को 'फाइटर ऑफ द मैच' का पुरस्कार दिया गया।

दिन के दूसरे मुकाबले में सचिवालय हरिकेन ने सचिवालय क्लासिक को 151 रनों के बड़े अंतर से हराया। हरिकेन के दिवाकर पंत ने नाबाद 105 रन की शानदार पारी खेली, जबकि सुनील मेंदोला ने 66 रन बनाए। टीम ने 20 ओवर में 232 रनों का विशाल लक्ष्य रखा। जवाब में सचिवालय क्लासिक की टीम 12.5 ओवर में मात्र 51 रन पर ऑलआउट हो गई। हरिकेन के गेंदबाज ओमिस कुमार ने 4, दीपक डिमरी ने 3 और विनोद शर्मा ने 1 विकेट लिया। दिवाकर पंत को 'मैन ऑफ द मैच' और क्लासिक के अंकित कुमार को 'फाइटर ऑफ द मैच' का पुरस्कार दिया गया। सचिवालय क्रिकेट क्लब के उपाध्यक्ष टी.एच. खान ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। सचिव राजेन्द्र रतूड़ी ने क्लब के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन महेश धर्मशक्तू ने किया। इस अवसर पर विनोद शर्मा, रवीन्द्र रंसवाल, मनोज भट्ट, अनिल काला, अतुल कुमार, हुकम चौहान, चंदन बिष्ट सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

## दिल्ली

# आवारा सांड के हमले में व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली, (हि.स.)। बाहरी-उत्तरी जिले के नरेला इलाके में एक आवारा सांड के हमले में 54 वर्षीय फल विक्रेता की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की पहचान सनाउल्लाह के रूप में की है। हादसे के बाद उसे गंभीर हालत में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आवार सांड के हमले में सनाउल्लाह के सिर में गंभीर चोट आई थी। जिससे उनकी मौत हो गई। वहीं, सनाउल्लाह की मौत के बाद परिवार में मातम का माहौल है। वह वह फल की रेहड़ी लगाकर अपने परिवार का गुजर-बसर करते थे। उनकी मौत के बाद परिवार पर आर्थिक के आन पड़ा है।

पुलिस के मुताबिक सनाउल्लाह अपने परिवार के साथ नरेला इलाके में ही रहते थे। इनके परिवार में पत्नी, चार बेटियां और दो बेटे हैं। वह इलाके में फल की रेहड़ी लगाते थे। पुलिस को मृतक के भाई खुर्शीद अनवर ने बताया कि जब शनिवार की शाम करीब चार बजे पॉकेट 13 के पास अपना ठेला ले जा रहे थे, उस दौरान वहां से कुछ आवारा मवेशी गुजर रहे थे। उन्हीं में से एक आवारा सांड ने अचानक सनाउल्लाह पर हमला कर दिया। वह हवा में उछले और सिर के बल सड़क पर गिरे। उनके सिर पर गंभीर चोट लगी और खून बहने लगा। स्थानीय लोगों ने वहां से आवारा मवेशियों को भगाया और सनाउल्लाह को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में भेज दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, स्थानीय लोगों ने इलाके में घूम रहे आवारा मवेशियों पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि स्कूल आने-जाने वाले बच्चों को इनसे सबसे ज्यादा खतरा रहता है। दिन पर दिन इनकी तादात बढ़ती जा रही है। गर्मियों में आवारा सांड और ज्यादा घातक हो जाते हैं। पहले भी कई लोगों पर हमला कर चुके हैं।

# ड्रग्स तस्करी के मामले में महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली, (हि.स.)। दक्षिण जिले के अंबेडकर नगर थाना पुलिस ने गश्त के दौरान 15 मार्च को एक 43 वर्षीय महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। महिला के कब्जे से 233 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। दक्षिण जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने रविवार को बताया कि हेडकांस्टेबल संजीव, हरकेश और कांस्टेबल कामिनी इलाके में गश्त पर थी। गश्त के दौरान करीब रात 9 बजे वह एच 1 ब्लॉक, मदनगिरी के पास पहुंचे। जहां उन्होंने एक महिला को संदिग्ध हालत में देखा और उसे तलाशी के लिए रूकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर वह तेजी से चलने लगी। पुलिस टीम उसे रोका और तलाशी ली। तलाशी में महिला के पास बैग से 233 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

# दिल्ली मेट्रो अपने नेटवर्क पर अर्बन फ्रेट (कार्गो) सेवाओं की शुरूआत करेगी

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली मेट्रो रेल कॉपोर्रेशन (डीएमआरसी) और भारत में अग्रणी एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स सर्विस प्रोवाइडर ब्लू डार्ट के बीच शहरी लॉजिस्टिक्स सेवा के लिए रविवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। यह सेवा डीएमआरसी और भारत के प्रमुख एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता ब्लू डार्ट के बीच होने वाले महत्वपूर्ण सहयोग का हिस्सा है। इस सहयोग के तहत, ब्लू डार्ट कम भीड़भाड़ वाले घंटों के दौरान मेट्रो ट्रेनों के माध्यम से कार्गो का परिवहन करते हुए, समय-पर पहुंचाने वाले शिपमेंट की तीव्र और अधिक विश्वसनीय मूवमेंट सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध क्षमता का उपयोग करेगा। इस अभिनव समाधान से सड़क परिवहन पर निर्भरता कम होगी, भीड़भाड़ कम होगी और वाहनों से होने वाले उत्सर्जन पर अंकुश लगेगा। साथ ही, डीएमआरसी पर्यावरण के अनुकूल परिवहन समाधानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए अपने संसाधनों का अनुकूलन करेगी।

डीएमआरसी द्वारा मिली जानकारी के अनुसार मेट्रो प्रणालियां, वैश्विक स्तर पर स्थिरता को बढ़ावा देते हुए राजस्व उत्पन्न करने के लिए अपनी अतिरिक्त क्षमता का उपयोग करने के तरीके खोज कर रही हैं। उदाहरण के लिए, मेड्रिड मेट्रो ने मेट्रो ट्रेनों के माध्यम से पार्सल परिवहन के लिए लॉजिस्टिक पार्टनर्स के साथ मिलकर पायलट प्रोजेक्ट की शुरूआत की है। जिससे सड़क यातायात और प्रदूषण में कमी आएगी। डीएमआरसी अर्बन फ्रेट ट्रांसपोर्टेशन की जानकारियों और श्रेष्ठ कार्यप्रक्रियाओं का आदान-प्रदान करने के लिए मेड्रिड मेट्रो के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रही है।मेट्रो-सक्षम लॉजिस्टिक्स समाधानों और माइक्रो पार्सल हब के माध्यम से फर्स्ट-माइल और लास्ट- माइल कनेक्टिविटी को एकीकृत करके यह परियोजना सड़कों पर होने वाली भीड़भाड़ और शहरी प्रदूषण को कम करते हुए सप्लाई चेन की दक्षता को बढ़ाती है। इस पहल के तहत, डीएमआरसी दिल्ली-एनसीआर में एक स्थायी अर्बन फ्रेट नेटवर्क स्थापित करने के लिए अपने स्टेशनों और ट्रैक्स का लाभ उठा रहा है। इस अग्रणी मॉडल के साथ, डीएमआरसी और ब्लू डार्ट स्थिरता को नवाचार के साथ एकीकृत करके अर्बन लॉजिस्टिक्स को पुनः परिभाषित करेंगे, जिससे महानगरीय क्षेत्रों में कार्गो मूवमेंट के लिए एक हरित और अधिक कुशल भविष्य सुनिश्चित होगा।

# केजरीवाल को दिल्ली के बाद अब पंजाब की राजनीति से बाहर होने का डर सता रहा : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली से नाकारे जाने के बाद आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को अब पंजाब की राजनीति से भी बाहर होने का डर सता रहा है। इसलिए केजरीवाल अब पंजाब में डेरा डालने की तैयारी कर रहे हैं।

वीरेंद्र सचदेवा ने रविवार को एक बयान में कहा कि दिल्ली में दर्जनों घोटालों में घिरे अरविंद केजरीवाल 5 फरवरी को चुनाव के आखिरी क्षण तक अपनी ईमानदारी का ढोल पीटते रहे थे, लेकिन दिल्लीवालों ने उनकी विदाई कर दी।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली में ईमानदारी का ढोल फटने के बाद अब अरविंद केजरीवाल पंजाब में भी वही कहानी दोहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज अरविंद केजरीवाल एवं पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान जब मीडिया से नशे एवं भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बोलते है, तो लोग उन पर हंसते हैं।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल जब पंजाब के लोगों से आज फिर नशा एवं भ्रष्टाचार दूर करने का वादा कर रहे थे तो उस समय पंजाब के लोग 2021 के केजरीवाल एवं भगवंत मान के भाषण याद कर रहे थे। उस समय भी केजरीवाल एवं भगवंत मान पंजाब के लोगों से सत्ता में आने के 6 माह में पंजाब को नशा मुक्त करने का वादा करते थे पर आज 3 साल बाद फिर समय मांग रहे हैं।

केजरीवाल को आज पंजाब को शीघ्र भ्रष्टाचार मुक्त करने का वादा करते देख पंजाब एवं दिल्ली की ही नहीं देश भर की जनता हतप्रभ रह गई क्योंकि तीन साल से केजरीवाल तो सारे देश में घूम-घूम कर दिल्ली एवं पंजाब में ईमानदार सरकार चलाने का दावा करते रहे हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में जनता ने जो सजा केजरीवाल को हरा कर दी, वहीं सजा 2027 में पंजाब की जनता भगवंत मान को देगी।

## स्कूल में उप-प्रधानाचार्य को पहले पीटा फिर कमरे में किया बंद, पुलिस ने मामला किया दर्ज

नई दिल्ली, (हि.स.)। नई दिल्ली जिले के मंदिर मार्ग स्थित पंचकुईया रोड के एक स्कूल में उप-प्रधानाचार्य और एक अन्य स्टाफ के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। मारपीट का आरोप स्कूल के ही कुछ छात्रों पर लगा है। आरोप है कि इन लोगों ने एक बाहरी लड़के को हॉस्टल में रखने की बात की थी। मना करने पर आरोपियों ने कमरे में बंद कर दोनों की पिटाई की। इतना ही नहीं मारपीट के बाद बाहर से ताला लगाकर सभी मौके से भाग गए। उप-प्रधानाचार्य ने मामले की शिकायत पुलिस से की। मामले की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ताला काटकर उप-प्रधानाचार्य को बाहर निकाला। बाद में उनको अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने इनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक रमेश कुमार (48)(बदला हुआ नाम) परिवार के साथ उत्तम नगर में रहते हैं। वह पंचकुईया रोड के अंध विद्यालय में उप-प्रधानाचार्य हैं। 12 मार्च को वह स्कूल के दफ्तर में एक सहायक शिक्षक के साथ बैठकर परीक्षा के पेपर तैयार कर रहे थे। आरोप है कि इस बीच हॉस्टल वार्डन कुछ छात्रों के साथ वहां आया। उन्होंने एक लड़के का नाम लेते हुए कहा कि इसको हॉस्टल में रखने की इजाजत दे दें। रमेश द्वारा मना करने पर आरोपितों ने उनके साथ मारपीट की।

*दिल्ली मेट्रो अपने नेटवर्क पर अर्बन फ्रेट (कार्गो) सेवाओं की शुरूआत करेगी।*

# समस्याओं का निदान कराएं, पीड़ितों को न्याय दिलाएं : मुख्यमंत्री

- सीएम योगी ने जनता दर्शन में सुनीं 150 लोगों की समस्याएं
- सबका विश्वास, सबका विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही सरकार
- इलाज के लिए पहुंचे लोगों को दिलाया विश्वास, पैसे की कमी से नही रुकेगा इलाज

**दिव्य भारत संवाददाता**

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भी गोरखनाथ मंदिर में 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान 150 से अधिक लोग पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी के पास पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुना और अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार 'सबका विश्वास, सबका विकास' के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि समस्याओं का निदान कराएं और पीड़ितों को न्याय दिलाएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि जरूरतमंदों तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाएं और उन्हें विकास से जोड़ें। सीएम योगी रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में पीड़ितों की समस्याएं सुन रहे थे। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ सीएम ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

*माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी रविवार को गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर परिसर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याओं को सुनते हुए।*

# रंग किसी सम्प्रदाय का नहीं होता, जितने भी रंग हैं ये सभी भारतीय संस्कृति के हैं : आचार्य प्रमोद कृष्णम

- मुरादाबाद में कल्कि पीठीधीश्वर संभल की विवादित जामा मस्जिद की रंगाई पुताई पर की पत्रकार वार्ता
- आचार्य प्रमोद कृष्णम बोले, राहुल गांधी और संजय राउत भारत का फिर से विभाजन करवाना चाहते हैं

मुरादाबाद, (हि.स.)। रंग किसी सम्प्रदाय का नहीं होता है, जितने भी रंग हैं ये सभी भारतीय संस्कृति के हैं। यह बातें कल्कि पीठीधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने संभल की विवादित जामा मस्जिद की रंगाई पुताई के सवाल पर पत्रकारों से कही। आचार्य प्रमोद कृष्णम रविवार को मुरादाबाद के एक होटल में पत्रकार वार्ता की।

कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने संभल की विवादित शाही जामा मस्जिद की रंगाई-पुताई के दौरान रंग को लेकर उपजे विवाद पर कहा कि और मुझे नहीं लगता है कि इस विवाद के पीछे कोई मजबूत तर्क है।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के प्रवक्ता संजय राउत पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और संजय राउत भारत का फिर से विभाजन करवाना चाहते हैं। जिन्ना के भारत तोड़ने की तरह का ख्वाब अब संजय राउत भी देख रहे हैं। संजय राऊत चाहते हैं एक दूसरा पाकिस्तान बन जाए और राहुल गांधी उसके प्रधानमंत्री बनें। राहुल गांधी को अब राजनीति से सन्यास ले लेना चाहिए।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने औरंगजेब की कब्र को लेकर चल रहे विवाद पर कहा कि हम मुर्दों से लड़ाई नहीं करते। भारत का शौर्य-पराक्रम और भारत की बहादुरी इतिहास में दर्ज है। छत्रपति शिवाजी महाराज गुरु गोविंद सिंह, महाराणा प्रताप या जितने भी हमारे राष्ट्रीय नायक रहे हैं, इन्होंने कभी सनातन के सिंद्धान्त को नहीं तोड़ा और किसी की कब्र को हटाना ये तो तालिबान के काम है। सनातन इसकी अनुमति नहीं देता है। दुश्मन के मर जाने के बाद भी हम उसका सम्मान करते हैं।

# यूपी में भाजपा के 72 जिलाध्यक्षों का ऐलान, 26 जिलों की सूची अटकी

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को 72 जिलाध्यक्षों की सूची जारी कर दी। सूची में पार्टी ने पुराने व समर्पित कार्यकर्ताओं को तवज्जो देते हुए दलित, पिछड़े व महिलाओं को भी भागीदारी दी है।

उत्तर प्रदेश में संगठनात्मक दृष्टि से भाजपा संगठन की जिला व महानगर मिलाकर कुल 98 इकाइयां हैं। 72 जिला अध्यक्षों में 45 नए चेहरे हैं। वहीं 27 को दोबारा मौका दिया गया है। अयोध्या, वाराणसी, चंदौली व कौशाम्बी समेत 26 जिलों में अभी जिला अध्यक्षों की घोषणा नहीं हो सकी है। भाजपा के प्रदेश चुनाव अधिकारी महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने कहा कि भाजपा का संगठन पर्व चल रहा है। संगठन पर्व में 1,62,459 बूथ में से 1,42,000 से अधिक बूथ पर चुनाव हुआ है। अभी तक 1548 मण्डल के चुनाव हुए हैं और 63 मण्डल में चुनाव होना है। महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने कहा कि 72 जिला इकाइयों में ओबीसी से 25, अनुसूचित जाति के 6, पांच महिलाएं व सामान्य वर्ग से 41 हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने नवनियुक्त जिलाध्यक्षों को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि पूर्ण विश्वास है कि आप सभी भाजपा की नीतियों और सिद्धांतों का पालन करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत करेंगे। प्रदेश में प्रधानमंत्री के सुरक्षा एवं सुशासन के अभियान को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देंगे। सभी को उज्ज्वल कार्यकाल की अनंत शुभकामनाएं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने नियुक्त सभी जिलाध्यक्षों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की ढेरों शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ण विश्वास है कि आप सभी संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करने के साथ ही संगठन को निचले स्तर तक मजबूती प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल ने नव निर्वाचित जिला अध्यक्षों को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी नयी ऊर्जा से संगठन कार्य को सर्वस्पर्शी एवं सर्वव्यापी बनाएंगे। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने नवनियुक्त जिलाध्यक्षों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी अपनी कर्मठता, कार्य कुशलता व अटूट समर्पण से भाजपा संगठन को और अधिक सशक्त बनाएंगे तथा आप सभी पूर्ण निष्ठा व दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। हम साथ मिलकर भाजपा की डबल इंजन सरकार को उत्तर प्रदेश में तीसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ लाने के लिए संकल्पित होकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाएंगे। भाजपा की विचारधारा, संगठन की शक्ति और राष्ट्रहित के प्रति हमारी प्रतिबद्धता ही हमें विजय की ओर अग्रसर करती है। आप सभी को इस महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए पुनः शुभकामनाएं।

# आज से उत्तर प्रदेश में शुरू होगी गेहूं खरीद

- रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए सरकार ने तय किया है 2425 रुपये प्रति कुंतल समर्थन मूल्य
- 6500 क्रय केंद्र पर 15 जून तक चलेगी खरीद
- 2024-25 में 2275 रुपये प्रति कुंतल की दर से हुई थी खरीद, इस वर्ष एमएसपी में 150 रुपये प्रति कुंतल का होगा फायदा
- पंजीकरण शुरू अब तक 2.65 लाख किसानों ने करा लिया है पंजीकरण, बटाईदार किसानों से भी होगी खरीद
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 48 घंटे के भीतर किसानों को भुगतान करने के दिए हैं निर्देश
- मोबाइल केंद्र के माध्यम से गांवों में जाकर भी किसानों से होगी खरीद

**आलोक पाण्डेय/दिव्य भारत**

लखनऊ। रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए 17 मार्च से गेहूं खरीद शुरू होगी, जो 15 जून तक चलेगी। इसके लिए 6500 क्रय केंद्र निर्धारित किए गए हैं। वहीं केंद्र सरकार ने गेहूं का समर्थन मूल्य 2425 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया है, जो विगत वर्ष से 150 रुपये प्रति कुंतल अधिक है। पिछले वर्ष गेहूं का समर्थन मूल्य 2275 रुपये प्रति कुंतल था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि किसानों को 48 घंटे के भीतर भुगतान कर दिए जाएं। सीएम ने जोर दिया है कि क्रय केंद्रों पर आने वाले किसानों के लिए भी समुचित व्यवस्था की जाए। उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। मोबाइल केंद्र के माध्यम से किसानों के गांवों में जाकर भी खरीद होगी।

गेहूं की बिक्री के लिए पहली मार्च से पंजीकरण प्रारंभ हो चुका है। अब तक प्रदेश के 2.65 लाख से अधिक किसानों ने पंजीकरण करा लिया है। गेहूं की बिक्री के लिए किसानों को खाद्य व रसद विभाग के पोर्टल या विभाग के मोबाइल ऐप वढ डक्र्रलअठ टक्ळफ्अ पर पंजीकरण-नवीनीकरण कराना अनिवार्य है। विभाग ने किसानों से अनुरोध किया है कि गेहूं को ओसाकर, मिट्टी, कंकड़, धूल आदि को साफकर अच्छी तरह से सुखाकर ही क्रय केंद्र पर बिक्री के लिए लेकर आएं। इस वर्ष भी बटाईदार किसानों द्वारा भी पंजीकरण कराते हुए गेहूं की बिक्री की जा सकेगी।

खाद्य व रसद विभाग के मुताबिक रविवार व अन्य अवकाशों को छोड़कर 15 जून तक क्रय केंद्रों पर गेहूं खरीद प्रतिदिन सुबह 8 से रात्रि 8 बजे तक होगी। योगी सरकार ने निर्देश दिया है कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। विभाग ने इसकी तैयारी भी कर ली गई है। किसी भी विषम परिस्थितियों के लिए खाद्य व रसद विभाग ने टोल फ्री नंबर 18001800150 जारी किया है। किसी भी समस्या के समाधान के लिए किसान जिला खाद्य विपणन अधिकारी या तहसील के क्षेत्रीय विपणन अधिकारी या ब्लॉक के विपणन अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

केंद्र सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए 2425 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया है। पिछले वर्ष यह मूल्य 2275 रुपये प्रति कुंतल था। इस बार सरकार ने 150 रुपये प्रति कुंतल में वृद्धि की है। खाद्य विभाग समेत आठ क्रय एजेंसियों के द्वारा कुल 6500 क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। खाद्य व रसद विभाग ने गेहूं के मूल्य भुगतान सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के माध्यम से सीधे किसानों के आधार लिंक खाते में 48 घंटे के अंदर करने की व्यवस्था बनाई है। 17 मार्च से शुरू होने वाली गेहूं खरीद के लिए विभाग ने सारी तैयारी कर ली है। इस वर्ष मोबाइल केंद्र के माध्यम से गांवों में जाकर किसानों से गेहूं खरीद होगी।

# प्रदेश की आर्थिक ताकत बन रहा रैन वायरलेस

**दिव्य भारत संवाददाता**

लखनऊ। रोजगार, प्रशिक्षण और महिला सशक्तिकरण के मंत्र को साकार रूप देते हुए रैन वायरलेस आज उत्तर प्रदेश को आर्थिक मजबूती देने का काम कर रहा है। लखनऊ में दस साल पहले शुरू यह छोटा सा इनोवेशन आज वन इंडिया के विचार को प्रमुखता देते हुए लखनऊ, अलीगढ़, बेंगलुरु, कुन्नूर व गुवाहाटी में अपनी मौजूदगी दर्ज कर सैकड़ों युवाओं को रोजगार व प्रशिक्षण देने का काम कर रहा है।



नेटवर्किंग की दुनिया में आज रैन वायरलेस किसी पहचान का मोहताज नहीं है। हर चुनौती को पार करते हुए यह आज चार राज्यों के 5 शहरों में रोजगार उपलब्ध कराने का काम कर रहा है। इसके अलावा अमेरिका, जर्मनी, यूके आदि देशों से विदेशी मुद्रा देश में लाने एवं सरकार के मजबूत भारत, सशक्त भारत के संकल्प को पूरा करने में मदद कर रहा है। रैन वायरलेस के ऑनर फैजल खान ने कहा कि आज हम रैन वायरलेस की 10वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। मैं गर्व से कह सकता हूं कि हमारा यह छोटा सफर आज बेहतर नेतृत्व और कुशल कार्य के चलते यूरोप व अमेरिका में भी सराहा जा रहा है। आने वाले दिनों में रैन वायरलेस प्रदेश व देश के युवाओं को रोजगार देने को लेकर और मजबूती से काम करेगा और सरकार के साथ भारत को दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने में अपना पूरा सहयोग करेगा। वहीं रैन वायरलेस के सीटीओ त्रयम्बक मिश्रा ने कहा कि देश के प्रति समर्पण का यह दशक काफी अच्छा रहा। यह सफर वाकई सबका साथ, सबका विकास व सबके प्रयास का ही बेहतर परिणाम रहा। हम महिला विकास को लेकर सरकार की पहल के प्रति पूर्ण प्रतिबद्ध हैं। आने वाले समय में हम युवतियों को प्रशिक्षण व रोजगार पर पूरा जोर देंगे। महिला सशक्तिकरण के साथ ही प्रदेश में और रोजगार सृजन को लेकर हमारा प्रयास जारी है।

रैन वायरलेस संस्थापक और सीईओ फैसल खान ने कहा कि एक वैश्विक उद्यम के तौर पर 'वसुधैव कुटुम्बकम' के मंत्र को साकार रूप देते हुए आज हम एक विश्वसनीय वैश्विक खिलाड़ी बन चुके हैं। भारत सरकार के दृष्टिकोण को साकार रूप देते हुए विकास, रोजगार और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रहे हैं। महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उनके प्रशिक्षण व रोजगार पर काम कर रहे हैं। रैन वायरलेस के सीटीओ त्रयम्बक मिश्रा बताते हैं कि अत्याधुनिक वायरलेस तकनीक प्रदान करने वाली अग्रणी कंपनी रैन वायरलेस ने एक दशक पूर्व एक कमरे से अपना सफर शुरू किया। आज यह भारत के चार स्टेट के साथ ही अमेरिका और ब्रिटेन के 5 शहरों में विस्तार कर चुकी है। मैं बताना चाहूंगा कि आने वाले दिनों में हम योग्य तकनीकी छात्राओं के लिए निशुल्क ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने जा रहे हैं। आज हम 5जी, क्ण्ण्ळ और स्मार्ट सिटी समाधानों सहित उन्नत वायरलेस तकनीकों के विकास में अग्रणी हैं। कई मंचों पर रैन वायरलेस को सम्मानित किया जा चुका है। आने वाले समय में हम और रोजगार सृजन पर काम कर रहे हैं ताकि देश के युवाओं को रोजगार के लिए अन्य देशों में न भटकना पड़े। उन्हें देश में ही बेहतर माहौल और अच्छे अवसर प्राप्त हों।

## संक्षिप्त समाचार

### मयंक गोयल महानगर तो चैन पाल सिंह बने गाजियाबाद जिला अध्यक्ष

गाजियाबाद, (हि.स.)। लंबे समय बाद आखिरकार भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को गाजियाबाद के महानगर व जिलाध्यक्ष के नामों की घोषणा कर दी। मयंक गोयल को जहां महानगर अध्यक्ष बनाया गया है वही चैनपाल सिंह पहाड़ी वालों को जिला अध्यक्ष बनाया गया है। राजनगर एक्सटेंशन स्थित एक फार्म हाउस में दोनों के नाम की घोषणा की गई। मयंक गोयल की गिनती भारतीय जनता पार्टी के युवा नेताओं में होती है। उनका परिवार संघ से जुड़ा हुआ है। उनके दादा लाल बनवारी लाल संघ के पदाधिकारी रहे हैं। इसके बाद उनके पिता महेश गोयल संघ से जुड़े रहे हैं। उनकी माता दिवंगत दमयंती गोयल गाजियाबाद की प्रथम महिला महापौर रही हैं। मयंक गोयल का परिवार संघ से जुड़ा रहा है, जिसका लाभ उन्हें मिला है। साथ ही युवा होने के कारण भी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने उनके ऊपर भरोसा जताया है।

### मायावती ने आगरा में अंबेडकर भवन को अतिक्रमण बता हटाने के मामले सरकार को घेरा

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने आगरा में बाराखंबा रेलवे फाटक 'अंबेडकर भवन' को अतिक्रमण बताकर उसे हटाने की कार्रवाई पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहाकि उम्मीद है कि इस मामले में सरकार जरूर सकारात्मक कदम उठाएगी। मायावती ने इस मामले में एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आगरा में बाराखंबा रेलवे फाटक के पास दशकों से समाज हित व जनकल्याण आदि गतिविधियों से जुड़े 'अम्बेडकर भवन को अतिक्रमण बताकर उसे हटाने की कार्रवाई से लोगों में आक्रोश व्याप्त है। लोगों का यह भी कहना है कि क्या यही है सरकार का अम्बेडकर प्रेम ऐसे में केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि आगरा के साथ-साथ ऐसी और भी बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर-विरोधी कार्रवाईयों का तत्काल संज्ञान ले और जरूर उचित कार्रवाई भी करें। उम्मीद है कि सरकार जरूर सकारात्मक कदम उठाएगी।

### विवादित शाही जामा मस्जिद की रंगाई पुताई शुरू

मुरादाबाद, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के संभल जनपद में विवादित शाही जामा मस्जिद की रंगाई पुताई रविवार को शुरू हो गई। मजदूरों ने सबसे पहले मस्जिद दीवार पर झूला डालकर पुताई आरम्भ की।

शनिवार को दोपहर में भारतीय पुरात्व सर्वेक्षण (एएसआई) की तीन सदस्यीय टीम पेंटर व मजदूरों के साथ पहुंची थी। इस दौरान मस्जिद की लम्बाई चौड़ाई की नपाई की गई थी। मस्जिद के सदर जफर अली एडवोकेट ने बताया हाईकोर्ट के निर्देश पर सात दिन के अंदर मस्जिद की रंगाई पुताई का कार्य पूरा करना है। इसी के चलते आज पुताई कार्य आरम्भ हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार 8 मजदूर जामा मस्जिद की सफेदी का कार्य कर रहे हैं। उनका कहना है कि एक सप्ताह के अंदर हमें मस्जिद की रंगाई पुताई पूरी करनी है। बीते 12 मार्च को उच्च न्यायालय ने पुताई और सजावट का आदेश किया था। साथ ही यह भी कहा था कि इस पुताई और सजावट के कार्य की निगरानी एएसआई द्वारा की जाएगी। इसी क्रम में 13 मार्च को एएसआई की टीम जामा मस्जिद पहुंची थी। टीम ने बाहरी हिस्से के साथ अंदर के परिसर का भी निरीक्षण किया था।